वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 145 | शुक्रवार 22 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अमेरिका,मॉरीशस जैसे कई देशों से जयपुर आएंगे 20 हजार आर्य

23-24 सितंबर को प्रांतीय आर्य-महासम्मेलन, स्त्रियों के भी होंगे यज्ञोपवीत संस्कार

जयपुर. कासं

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की ओर से जयपुर में महर्षि दयानंद सरस्वती के 200वें जयंती वर्ष पर 23-24 सितंबर को आर्य महासम्मेलन होगा। कार्यक्रम राजस्थान कॉलेज ग्राउंड, जेएलएन मार्ग में होगा। इसमें शामिल होने कई देशों से आर्य जयपुर आएंगे। सम्मेलन में 200 बालक-बालिकाओं के यज्ञोपवीत संस्कार भी होंगे। आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी डॉ. मोक्षराज ने बताया- इस महासम्मेलन में आर्य जगत के कई धार्मिक विद्वान और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित लगभग 20000 आर्यजन उपस्थित होंगे। जिसमें अमेरिका, मॉरीशस, सूरीनाम, फि जी, ऑस्ट्रेलिया, गयाना, दक्षिणी अफ्रीका आदि से भी शामिल होने जयपुर आ रहे है। साथ हीं अनेक आर्य विद्वान और नेता वर्चुअल जुड़ेंगे। इनमें डॉ. रमेश चंद्र गुप्ता अमेरिका से 22 को जयपुर पहुंच रहे हैं। डॉ. मोक्षराज ने बताया- सम्मेलन को एतिहासिक रूप देने के लिए 200

200 नए समाजसेवी होंगें दीक्षित

उन्होंने बताया- नौकरी और बिजनेस से रिटायर्ड दो सौ वरिष्ठ नागरिकों को आर्य प्रचारक दीक्षा प्रदान करने की तैयारी की जा रही है। जो प्रदेश में समाजसेवा के कार्यों में लगेंगे। महर्षि दयानंद सरस्वती ने हवन की विधि को सर्वसाधारण के लिए सरल व सुलभ कर दिया था । आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्म की दूसरी शताब्दी के अवसर पर 200 कुंडों पर 1600 यजमान एक लाख आहूतियां देंगे।

वनवासियों व पिछड़ों का होगा सत्कार

डॉ. मोक्षराज ने बताया- आर्य समाज शुरू से ही छुआछूत और भेदभाव का विरोधी रहा है ।इसलिए जड़ी बूटी और जंगलों की रक्षा करने वाले वनवासियों तथा समाज की मुख्यधारा से वंचित लोगों का इस सम्मेलन में न केवल सत्कार होगा बल्कि उन्हें शिक्षा व रोजगार के लिए सहयोग व मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

स्त्रियों और बालकों को यज्ञोपवीत संस्कार का लक्ष्य रखा है। आर्यसमाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने नर-नारी ब्राह्मण-शूद्र सभी मानवमात्र को वेद पढ़ने का अधिकार दिलाया था । इसलिए आर्यसमाजों की प्रान्त स्तरीय प्रतिनिधि संस्था आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान सभी कुल-वंशों के बालक बालिकाओं का यज्ञोपवीत संस्कार निः शुल्क कराएगी। महर्षि दयानंद सरस्वती ने अपने जीवनकाल में राजस्थान के कई दौरे किए। इसी क्रम में वे शाहपुरा, बनेडा, मसूदा, जोधपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, जयपुर, भरतपुर, धौलपुर व करौली भी पधारे। डॉ. मोक्षराज ने बताया कि इस महासम्मेलन में भी शाहपुराधीश के वंशज जसवंत सिंह को आमंत्रित किया गया है। साथ ही बनेडा से गोपाल चरण सिसोदिया, भिनाय की राजकुमारी जयेश्वरी देवी, मसूदा के राव दुष्यंत सिंह और राजकुमार दुर्जय सिंह आ रहे हैं। आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान किशनलाल गहलोत ने बताया- इस महासम्मेलन में राजस्थान और गुजरात के राज्यपाल भी शामिल होंगे। साथ हीं एमडीएच के स्वामी राजीव गुलाटी और डॉलर फाउंडेशन के प्रमुख दीनदयाल गुप्ता भी 23 सितंबर को सम्मेलन में भाग लेंगे। कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए राजस्थान कॉलेज ग्राउंड , जेएलएन मार्ग पर वाटरप्रूफ शामियाना और विशाल डोम लगाया जा रहा है ।

विधानसभा चुनाव 2023

नव गठित ज़िलों के कलक्टर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

चुनाव के सफल सम्पादन में कानून-व्यवस्था की अहम भूमिका: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

जयपुर. कासं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि चुनाव के सफल सम्पादन में कानून-व्यवस्था की अहम भूमिका होती है। इसलिए कलक्टर्स को निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं को गहनता से समझना आवश्यक है। गुप्ता गुरूवार को शासन सचिवालय में नव गठित ज़िलों के 15 कलक्टर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में वीसी के द्वारा निर्वाचन संबंधी प्रकियाओं पर प्रशिक्षण दिया गया। गुप्ता ने कहा कि आदर्श आचार संहिता और व्यय अनुवीक्षणण को लेकर सी-विजिल एप पर ऑनलाइन शिकायत वीडियो, ऑडियो या फोटो के जरिए की जा सकती है। वहीं केवाईसी एप के जरिए उम्मीदवार की समस्त जानकारी जिसमें मुख्यतः आपराधिक पृष्टभूमि ऑनलाइन ली जा सकती है। सुविधा एप के जरिए उम्मीदवार रैली, सभा, वाहन आदि की अनुमति ले सकता है।

तूतनखामुन-2 प्रदर्शनी का 22 सितंबर को अमोल पालेकर करेंगे उद्घाटन

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 3500 साल पुराने मकबरे की रिप्लिकाएं की जाएगी प्रदर्शित

जयपुर. कासं

झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 22 सितम्बर से तूतनखामुन-2 प्रदर्शनी की शुरूआत होगी। इसका उद्घाटन सुबह 11 बजे मुख्य अतिथि प्रसिद्ध आर्टिस्ट और एक्टर अमोल पालेकर करेंगे। कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर कायरो में भारत के राजदूत राहुल कुलश्रेष्ठ होंगे और अध्यक्षता राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के निदेशक निहाल चन्द गोयल करेंगे। प्रदर्शनी में मिस्र के 3500 साल पुराने तूतनखामुन के मकबरे की रिप्लिकाएं प्रदर्शित की जाएगी। यह प्रदर्शनी राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, धोरा इंटरनेशनल आर्टिस्ट

सोसायटी बीकानेर और मिस्र की संस्था फेहरोज लैंड की ओर से की जा रही है। आरआईसी के निदेशक एनसी गोयल ने बताया कि 22 सितंबर को वीआईपी प्रीव्यू रखा गया है और 23 सितंबर से यह आमजन के लिए अवलोकनार्थ शुरू हो जाएगी।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय
बी-21ए, गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर

णमो सिद्धाणं

अहिंसा परमो धर्मः

दशलक्षण महापर्व

जैन राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

उत्तम शौच
शुक्रवार
22-09-2023
रात्रि 8.00 बजे से

आमंत्रित कविगण.....

डॉ. कमलेश जैन 'बसंत'

श्री कुलदीप 'ललकार'

श्री पंकज जैन 'फनकार'

श्री सौरभ जैन 'भयंकर'

श्री अनिल 'उपहार'

बालकवि
श्री दिव्य कमलध्वज 'चंचू'

मुख्य अतिथि : श्रीमती रंजु जी, सौरभ जी-खुशबू जी बाकलीवाल
दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता : श्री शान्तिलाल जी सुशीलादेवी जी गंगवाल

प्रस्तुति : काव्ययुक्त वीर आराधना • संयोजक... रवि सेठी

... आप सादर आमंत्रित हैं ...

दशलक्षण महापर्व समारोह समिति

ताराचन्द पाटनी – अध्यक्ष
जितेन्द्र कुमार जैन – मंत्री
राजकुमार सेठी – उपाध्यक्ष
राजीव जैन गाजियाबाद – कार्याध्यक्ष
महावीर कुमार जैन झागवाले – संयुक्त मंत्री
सुरेन्द्र कुमार मोदी – कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्यगण... विजय दीवान • विनय कुमार छाबड़ा • शान्ति लाल गंगवाल • सुभाष पाटनी • सतीश बाकलीवाल

एवं समस्त प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय,गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर

संजय पाटनी • रमेश बोहरा • मनोज झांझरी • राजेश बड़जात्या • रवि सेठी • श्रीमती सुरीला सेठी • धर्मेन्द्र लुहाड़िया • सतीश गोधा
राजकुमार जैन • शैलेन्द्र गोधा 'समाचार जगत' • श्रीमती सीमा जैन गाजियाबाद • श्रीमती ममता पाटनी
श्रीमती दीपाली संघी • श्रीमती ज्योत्सना काला • श्रीमती प्रीति झांझरी • श्रीमती अनामिका कटारिया • श्रीमती कीर्ति मोदी

94140-54571 / 93145-07553 / 93527-22022

अशोक नगर सी स्कीम जैन समाज द्वारा दस लक्षण पर्व पर भक्तामर विधान का आयोजन

मंडल पर 48 दीपो से किया दीप प्रज्वलन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दस लक्षण महा पर्व के पावन अवसर पर अशोक नगर सी स्कीम जैन समाज के सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ई तीन गोखले मार्ग पर मंगलवार 20 सितंबर 2023 को रात्रि 8:00 बजे से भक्तामर स्त्रोत 48 दीपो द्वारा हुआ जिसमें प्रमुख सानिध्य नीलम नवीन ठोलिया का रहा और संपूर्ण जैन समाज ने धर्म लाभ लिया। सचिव संजय छाबड़ा ने सभी को बहुत-बहुत साधुवाद दिया।

श्री दि जैन मंदिर महावीर नगर के जैन भवन में दशलक्षण पर्व पर आज तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म पर विशेष पूजा हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया। टोंक रोड, महावीर नगर स्थित श्री दि जैन मंदिर महावीर नगर के जैन भवन में दशलक्षण पर्व पर आज तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म पर पूजा हुई। पूजन अशोक गंगवाल, सुभाष बज, धर्म चंद भोच के मधुर स्वर के साथ साजो के साथ की गई। मंदिर कमेटी के मंत्री सुनील बज ने बताया शाम को आरती, प्रवचन के बाद महावीर नगर महिला मंडल द्वारा ''महिमा धर्म की नाटक'' प्रस्तुत किया गया।

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मान्यवास मानसरोवर में दस लक्षण पर्व पर हुए विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर इंजीनियर्स कॉलोनी मान्यवास मानसरोवर जयपुर में स्थित दिगंबर जैन मंदिर में भाद्रपद शुक्ल छठ को दशलक्षण महापर्व पर शांति धारा सुरेश हर्ष कुमार पाटनी परिवार द्वारा की गई। सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत एक मिनिट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन मूल चंद पाटनी परिवार द्वारा किया गया। सीए मनीष छाबड़ा ने बताया कि भक्तामर का पाठ विमल पिंकी पाटनी द्वारा कराया गया और सांस्कृति कार्यक्रम का पुरस्कार वितरण मनोज इंद्राणी जैन द्वारा किया गया। कमल छाबड़ा ने बताया कि सकल दिगंबर जैन समाज मान्यवास द्वारा दस लक्षण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

वेद ज्ञान

तीन प्रकार के होते हैं व्यक्ति

व्यक्ति तीन प्रकार के होते हैं। एक वे हैं जो किसी काम के बारे में सुनते ही यह कह देते हैं कि यह काम हमसे होगा ही नहीं। इस प्रकार वे हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं और दूसरे की राह ताकते रहते हैं कि कोई दूसरा उसका काम कर ही देगा। दूसरे वे जो उस काम को करना चाहते हैं और शुरू भी करते हैं, लेकिन किसी कठिनाई के सामने आते ही उसे छोड़कर पीछे लौट जाते हैं। यह जाने बगैर कि इसका अंजाम क्या होगा। तीसरे वे जो काम शुरू करने से पहले दस बार सोचते हैं, लेकिन जब सोच लेते हैं तो फिर काम खत्म करके और उसका परिणाम लेकर ही दम लेते हैं। इन्हें सर्वश्रेष्ठ कहा जाता है। मेरा मानना है कि ऐसे लोगों से भगवान भी पूछते हैं कि बताओ आपकी इच्छा क्या है, मैं उसे पूरी करता हूं। हालांकि ऐसा बनना आसान नहीं है, क्योंकि इसके लिए आपको अपने हृदय में संकल्प शक्ति धारण करनी होगी। अब सवाल उठता है कि यह होगा कैसे? हम तो जीवन भर योजनाएं बनाते रहते हैं और करने के समय कुछ नहीं कर पाते हैं, जबकि हमें अपने जीवन के महत्व को समझना चाहिए और यह मानना चाहिए कि इस पृथ्वी पर हमारा जन्म लेना एक महत्वपूर्ण घटना है। आप में इतनी शक्ति है कि यदि चाहें तो अपनी शक्तियों का विस्तार करके इतिहास रच सकते हैं, परंतु आपने तो पहले ही हार मान ली। जो व्यक्ति स्वयं से हार जाता है, उसे दूसरे आसानी से हरा सकते हैं। यदि हम हारने के लिए तैयार नहीं हैं तो आप हमको कैसे हरा देंगे? हम अंत तक आपका मुकाबला करने को तैयार हैं। अपनी थोड़ी सी आलोचना होते ही हम परेशान हो जाते हैं। श्रीराम की भी निंदा हुई थी और भगवान श्रीकृष्ण और महात्मा बुद्ध को भी परेशान किया गया था, परंतु एक दिन उन्होंने सफलता का परचम लहराया तो आप ऐसा क्यों नहीं कर सकते? क्या आपका जन्म केवल दासता के लिए हुआ है? आप दासता को क्या स्वीकार करते हैं? आपके मन में भी आता होगा कि मैं किसी का दास न बनूं। हालांकि आपकी प्रवृत्ति, दुष्कर्म, अहंकार आपको दासता की ओर धकेल रहे हैं और आप कहते हैं कि हम दास नहीं हैं। आप मनुष्य के दास भले ही न हो, लेकिन अपने दास तो हैं ही। अपनी विकृति, काम-वासना, क्रोध, लोभ, अहंकार के दास तो हैं ही। फिर क्यों दास बन गए आप इन सबके?

संपादकीय

विज्ञान के पुरस्कार और शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार के विजेता

लगभग एक साल की देरी के बाद, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने शांति स्वरूप भटनागर (एसएसबी) पुरस्कार के विजेताओं का ऐलान कर दिया है। आधी सदी से ज्यादा लंबी अवधि की विरासत के साथ, ये पुरस्कार - जिनमें नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और वेतन सुविधाएं शामिल होते हैं - जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित, चिकित्सा, पृथ्वी विज्ञान और भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 45 साल से कम उम्र के वैज्ञानिकों को हर साल प्रदान किए जाते हैं। भारत के कुछ सबसे निपुण वैज्ञानिक इन पुरस्कारों के विजेता रहे हैं और यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि ये पुरस्कार ''भारतीय नोबेल'' की मानिंद हैं और काफी प्रतिष्ठित हैं। पिछले साल यह अजीबोगरीब रहा कि सीएसआईआर ने अपने स्थापना दिवस यानी 26 सितंबर से पहले ही विजेताओं का चयन कर लेने के बावजूद इन पुरस्कारों का ऐलान नहीं किया। पारंपरिक रूप से स्थापना दिवस वह तारीख होती है जिस दिन वर्ष के विजेताओं का ऐलान किया जाता है।

इसकी पृष्ठभूमि में वैज्ञानिकों को दिए जाने वाले पुरस्कारों में कटौती करने का सरकार का फैसला था। गृह मंत्रालय (एमएचए) की एक विज्ञप्ति में यह कहा गया था कि चूंकि विभिन्न मंत्रालयों द्वारा बहुत सारे पुरस्कार दिए जाते हैं, लिहाजा इस पुरस्कार का रुतबा कम हो गया है। ''नोबेल पुरस्कार'' के समान एक 'बड़े पुरस्कार' का ऐलान करने की योजना थी, लेकिन अभी तक कोई घोषणा नहीं की गई है। अब जबकि गृह मंत्रालय ने आखिरकार एसएसबी पुरस्कारों को बरकरार रखने का फैसला किया है, इसके भविष्य के बारे में सरकार की लंबी चुप्पी ने वैज्ञानिकों के बीच उनके संभावित रूप से बंद होने को लेकर चिंता पैदा कर दी है। एथलेटिक्स के लिए दिए जाने वाले पुरस्कारों के उलट, विज्ञान पुरस्कार किसी मैच या दौड़ जैसी परिभाषित एवं निर्धारित प्रतियोगिता के नतीजे को सम्मानित करने के लिए नहीं दिए जाते हैं। बल्कि ये एक समय में मेहनत के साथ किए गए उन कार्यों के लिए मान्यता हैं, जिससे विज्ञान या तकनीकी जगत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उनका मकसद विजेताओं को वैज्ञानिक उद्यम में निहित अनिश्चितताओं के बरक्स अडिग बने रहने के लिए प्रोत्साहित करना है, जोकि एक प्रशिक्षित वैज्ञानिक द्वारा चुने जा सकने वाले कई अन्य विकल्पों की तुलना में आमतौर पर आर्थिक रूप से कम फायदेमंद करियर है। इस साल के सभी 12 विजेता पुरुष हैं। इनमें से 11 केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित संस्थानों से हैं। इनमें विजेताओं में से भी ज्यादातर विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों से हैं। भले ही चुने गए सभी उम्मीदवार निश्चित रूप से योग्य हैं, लेकिन विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों में निश्चित रूप से ऐसी कई महिलाएं या शोधकर्ता हैं जो अपने काम के लिए मान्यता के पात्र हैं। और इसलिए, इन पुरस्कारों की संख्या कम करने के बजाय दरअसल इनका दायरा बढ़ाए जाने का एक ठोस मामला बनता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

शांति पहल

मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष की सबसे परेशान करने वाली बातों में से एक यह है कि सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि अपने ''जातीय'' जुड़ावों से ऊपर उठने और शांति की दिशा में काम करने में असमर्थ बने हुए हैं। मिसाल के तौर पर मैतेई महिलाओं के एक गैर-सुगठित संगठन 'मीरा पैबी' के कृत्यों को लें, जो अतीत में राज्य में सशस्त्र बलों एवं पुलिस की ज्यादतियों, शराबखोरी, ड्रग्स की लत और यौन हिंसा के खिलाफ गोलबंद रह चुका है। मगर मई के आरंभ में शुरू हुए मौजूदा संघर्ष के दौरान, मीरा पैबी शांति बनाये रखने की असम राइफल्स की कोशिशों को बाधित करने में लगा है, खासकर तलहटी के इलाकों में। इन इलाकों को 'बफर जोन' बनाया गया था,

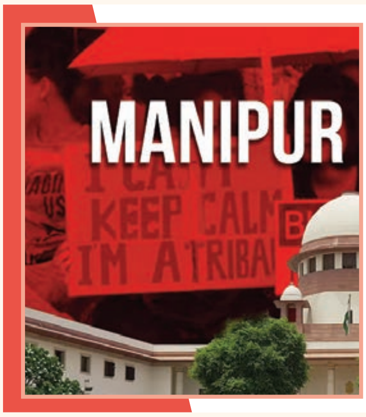

ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दो जातीय समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच हिंसा और न बढ़ने पाए। लेकिन हिंसक हमले हुए हैं और सशस्त्र बल समय पर कार्रवाई करने में अक्षम रहे हैं, क्योंकि मीरा पैबी और अन्य संगठनों द्वारा कथित तौर पर व्यवधान डाला गया है। साफ तौर पर, कुकी-जो और मैतेई दोनों समूहों द्वारा हथियारों की लूट और जातीय संघर्ष में उनके इस्तेमाल से स्थिति बदतर हुई है। लेकिन राज्य सरकार व उसकी पुलिस और केंद्र सरकार द्वारा तैनात सशस्त्र बलों की शांति बनाये रखने में अक्षमता का कारण यह भी है कि सिविल सोसाइटी समूह हिंसा में लगे लोगों का समर्थन कर रहे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मीरा पैबी की कुछ प्रतिनिधियों ने बफर जोनों को ''असंवैधानिक'' बताते हुए कहा कि वे उन्हें नहीं मानतीं। ज्यादातर मामलों में शांति रक्षा के लिए सशस्त्र बलों की मौजूदगी एक आदर्श समाधान नहीं है। लेकिन जब राज्य सरकार (जो जातीय विभाजनों में अपनी सत्ता की वैधता खो चुकी लगती है) की मदद से कानून प्रवर्तन का जातीयकरण हो गया हो और जिसके चलते कुकी-जो प्रतिनिधि एक अलग प्रशासन की मांग कर रहे हों, तब मणिपुर में शांति बनाये रखने के लिए सशस्त्र बलों की मौजूदगी और बफर जोनों की जरूरत लाजिमी हो जाती है। इस संघर्ष में प्रभावित हुई महिलाओं को इंसाफ दिलाने के लिए मीरा पैबी जैसे सिविल सोसाइटी समूह संकीर्ण जातीय पहचानों से ऊपर उठ सकते हैं और इस तरह एकजुटता के वो सूत्र आपस में जोड़ सकते हैं जो सुलह एवं शांति-बहाली की प्रक्रिया में मददगार हों। मायूसी की बात है कि फिलहाल ऐसा होता नहीं लग रहा। सिविल सोसाइटी संगठनों ने जातीय घृणा के उन्माद को उतना ही भड़काया है (जिसकी वजह कुछ हद तक हिंसा से बार-बार लगा सदमा है) जितना कि स्वार्थी राजनीतिक प्रतिनिधियों ने। और यही वजह है कि हिंसा का चक्र लंबा चल रहा है। इतिहास बताता है कि गैर-पक्षपाती नेतृत्व और सिविल सोसाइटी व राजनीतिक प्रतिनिधियों के बीच नागरिक संवाद के जरिये ही कोई कामयाबी मिल सकती है। जैसे हालात हैं, उसमें ऐसा होने के लिए, राज्य में मौजूदा नेतृत्व का एक भरोसेमंद विकल्प पेश किये जाने की जरूरत है।

मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी महाराज ने कहा...

उत्तम आर्जव धर्म अर्थात "मायाचारी" का अभाव

भागलपुर. शाबाश इंडिया

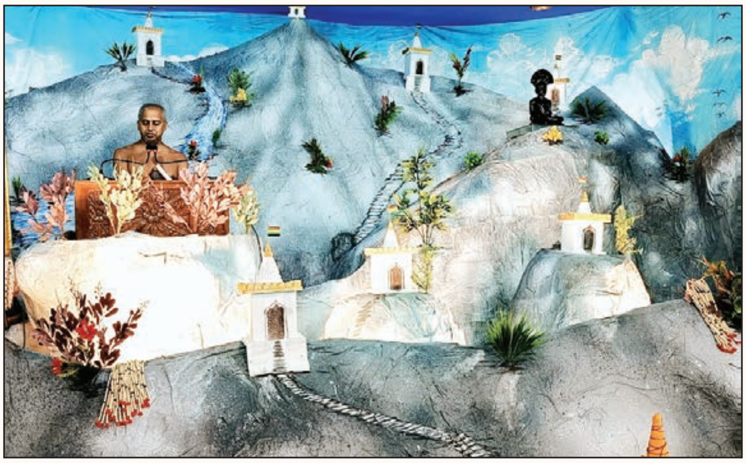

परम पूज्य मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी महाराज दिगंबर जैन मंदिर,भागलपुर में विराजमान हैं। दस लक्षण पर्व के तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म पर मंगल देशना देते हुए आर्जव धर्म अर्थात ह्यमायाचारीह्ल का अभाव। वह मायाचारी का अभाव जब सम्यकदर्शन के साथ होता है, तब उत्तम आर्जव धर्म नाम पाता है। ठगी को लोक में चालाकी माना जाता है, परंतु धर्म में ऐसी चालाकी नहीं चलती। यदि धर्म में आगे बढ़ना है तो सरल व्यक्तित्व का होना जरूरी है। ऋजोर्भावः इति आर्जवः - अर्थात-आत्मा का स्वभाव ही सरल स्वभाव है, इसलिये प्रत्येक प्राणी को सरल स्वभाव रखना चाहिए।यह आत्मा अपने सरल स्वभाव से च्युत होकर पर-स्वभाव में रमते हुए कुटिलता से युक्त ऐसे नरक, तिर्यंच, मनुष्य और देव इन चारों गतियों में भ्रमण करते हुए टेढ़ेपन को प्राप्त हुआ हैं।इसके इस स्वभाव के निमित्ति से यह आत्मा दिखावट, बनावट, छल, कपट और पापाचार इत्यादि को प्राप्त होकर आप दूसरों के द्वारा ठगाने वाला हुआ है।जब यह आत्मा मन, वचन, काय से सम्पूर्ण पर-वस्तु से विरक्त होकर अपने आप में रत होता है तब यह जीवात्मा अपने सरल स्वभाव को प्राप्त होकर पर-वस्तु से भिन्न माना जाता है तभी यह सुखी हो जाता है। मायाचार से युक्त पुरुष प्रायः ऊपर से हितमित वचन बोलता है और सौम्य आकृति बनता है। अपने आचरणों से लोगों को विश्वास उत्पन्न करता है। अपने प्रयोजन साधने के लिये विपक्षी की हाँ में हाँ मिला देता है किंतु अवसर पाते ही वह मनमानी घात कर बैठता है। मायावी पुरुष का स्वभाव बगुले के समान बहुत कुछ मिलता जुलता है। अर्थात जैसे बगुला पानी में एक पाँव से खड़े होकर नाशादृष्टि लगाता है और मछली उसे साधु समझ कर ज्यों ही उसके पास जाती है त्यों ही वह छद्मवेषी बगुला झट से उन मछलियों को खा जाता है। आर्जव धर्म मन , को सुमेरु पर्वत की भांति अडिग दृढ़, मजबूत बनाता है। मायाचारी तभी की जाती है जब किसी के चंगुल से छूटना हो या किसी को चंगुल में फसाना हो मायाचारी करने बाला नियम से तिर्यंचगति में जाता है यहां की थोड़ी सी मायाचारी तिर्यंचगति में अनंत दुखों को प्राप्त कराती है इसलिए मायारी छोड़ मैन में सरलता को धारण करो ताकि जीवन का उद्धार हो सके।

आर्जव धर्म की पूजन , तत्वार्थ सूत्र का वाचन तथा हुआ धर्मिक अभिनय का कार्यक्रम

मन वचन काय तीनो संग मिलने से ही खुलेगा मुक्ति का द्वारः विधानाचार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में दस लक्षण पर्व के तीसरे दिन आर्जव धर्म की पूजा भक्ति भाव के साथ हुई ।प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि प्रातः मण्डल पर विश्व शान्ति हेतु बीजाक्षर युक्त शान्तिधारा करने का सोभाग्य जे के जैन व कनफूल देवी कासलीवाल परिवार को तथा वेदी पर सोभाग मल अजमेरा परिवार को मिला। विधानाचार्य शिखर चंद जैन ने आर्जव धर्म की पूजा का भावार्थ समझाते हुए कहा कि निष्कपट हृदय, व सरल परिणाम का होना ही आर्जव भाव है।मन, वचन और काय इन तीनों के स्वरों में सामंजस्य स्थापित करने से ही मुक्ति का द्वार खुलता है । सभी ने मधुर संगीत के साथ भक्ति करते हुए मगन होकर पूजा का आनन्द लिया। दोपहर में तत्वार्थ सूत्र के तीसरे अध्याय का वाचन , शाम को सामयिक , आरती व प्रवचन का कार्यक्रम हुआ । रात्रि में जैन युवा मंच द्वारा सूक्ष्म नाटिकाओं का कार्यक्रम धार्मिक अभिनय हुआ जिसमे श्रेष्ठ तीन को अतिथि आर ए एस राहुल जैन द्वारा पुरुष्कृत किया गया।

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग
एक शाम आचार्य श्री के नाम
भजन संध्या
युवा भजन सम्राट
श्री रुपेश जैन, इन्दौर
शनिवार 23 सितम्बर, 2023
रात्रि 7.30 बजे
स्थान : पार्श्वनाथ पार्क
श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय,
गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर
मुख्य अतिथि : श्री सुधान्शु जी - ऋतु जी कासलीवाल
दीप प्रज्वलनकर्त्ता : श्री अतुल जी - शशी जी सौगानी
उमरावमल संघी अध्यक्ष
ज्ञानचन्द झांझरी उपाध्यक्ष
डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन मानद् मंत्री
निर्मल कुमार संघी संयुक्त मंत्री
वी.के.जैन कोषाध्यक्ष
राजेश बड़जात्या मुख्य संयोजक
सुरेन्द्र कुमार मोदी मुख्य संयोजक
... आप सादर आमंत्रित हैं ...
ताराचन्द पाटनी अध्यक्ष
दशलक्षण महापर्व समारोह समिति
जितेन्द्र कुमार जैन मंत्री
राजकुमार सेठी उपाध्यक्ष
राजीव जैन गाजियाबाद कार्याध्यक्ष
महावीर कुमार जैन झागवाले संयुक्त मंत्री
सुरेन्द्र कुमार मोदी कोषाध्यक्ष
कार्यकारिणी सदस्यगण... विजय दीवान • विनय कुमार छाबड़ा • शान्ति लाल गंगवाल • सुभाष पाटनी • सतीश बाकलीवाल
एवं समस्त प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय,गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर
संजय पाटनी • रमेश बोहरा • मनोज झांझरी • राजेश बड़जात्या • रवि सेठी • श्रीमती सुरीला सेठी • धर्मेन्द्र लुहाड़िया • सतीश गोधा
राजकुमार जैन • शैलेन्द्र गोधा 'समाचार जगत' • श्रीमती सीमा जैन गाजियाबाद • श्रीमती ममता पाटनी
श्रीमती दीपाली संघी • श्रीमती ज्योत्सना काला • श्रीमती प्रीति झांझरी • श्रीमती अनामिका कटारिया • श्रीमती कीर्ति मोदी
94140-54571 / 93145-07553 / 93527-22022

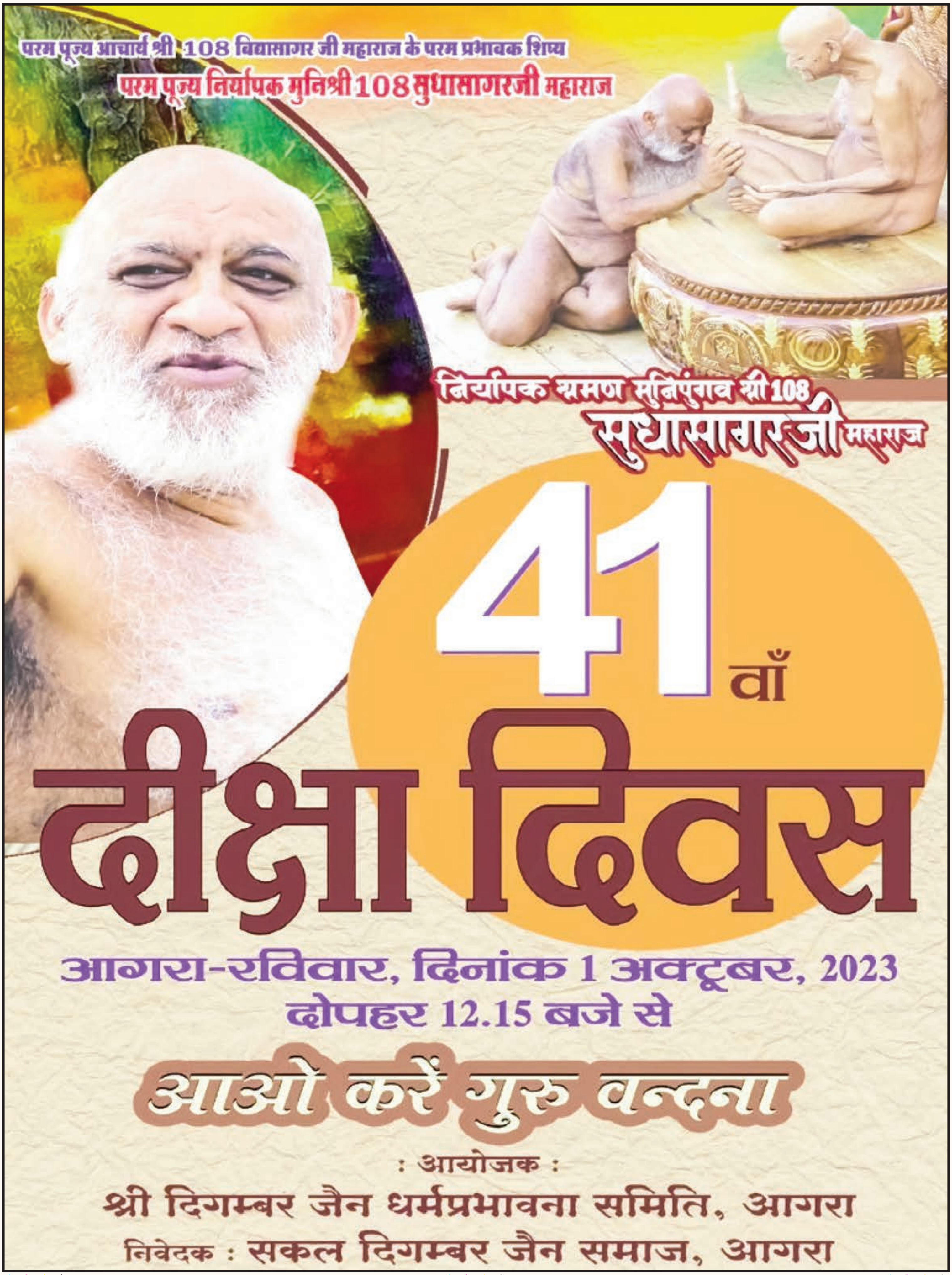
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

रंगारंग कार्यक्रम के साथ मनाया हाउसकीपर्स डे

मित्तल हॉस्पिटल के हाउसकीपिंग स्टाफ ने दी शानदार प्रस्तुति

अजमेर. शाबाश इंडिया

मित्तल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर,अजमेर में हाउस कीपर्स डे मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई। हॉस्पिटल के हाउसकीपिंग स्टाफ ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर हाउसकीपिंग स्टाफ की ओर से फैशन शो का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम नगर निगम की डिप्टी कमिशनर श्रीमती कीर्ति कुमावत के मुख्यातिथ्य में हुआ। इस मौके पर नगर निगम अजमेर की हैल्थ ऑफिसर श्रीमती बबीता सिंह विशिष्टअतिथि रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस के जैन ने की। वाईस प्रेसीडेंट श्याम सोमानी, डिप्टी जनरल मैनेजर विजय रांका, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ दीपक अग्रवाल, नर्सिंग अधीक्षक राजेन्द्र गुप्ता ने कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन हाउस कीपिंग प्रभारी हेमराज महावर ने किया।इस मौके पर हाउस कीपिंग विभाग की ओर से फूलों के द्वारा आकर्षक रंगोली सजाई गई। विभाग की महिला कर्मचारियों ने नृत्य और गायन की शानदार प्रस्तुतियां देकर सभी का मनमोह लिया। फैशन शो में हाउस कीपिंग स्टाफ की आउट स्टेडिंग प्रस्तुतियां देखकर निर्णायक भी अचम्भित रह गए। फैशन शो में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर रोशन सिंह, द्वितीय सुरेन्द्र सिंह एवं तृतीय कैलाश विश्नोई तथा महिला वर्ग में परमा प्रथम, नीना गुप्ता द्वितीय एवं सपना तृतीय स्थान पर रहे। मुख्य अतिथि डिप्टी कमिशनर श्रीमती कीर्ति कुमावत ने कहा कि हाउसकीपिंग स्टाफ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थान की रीढ़ की हड्डी होता है। उन्होंने कहा कि हॉसिपटल में पहुंचने वाले रोगी और रोगी के परिवारजन दोनों को ही हॉस्पिटल के हाउसकीपिंग स्टाफ से वास्ता पड़ता है। ऐसे में उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं ही हॉस्पिटल की छवि और विश्वास को स्थापित करती हैं। उन्होंने कहा कि मित्तल हॉस्पिटल में हाउसकीपिंग स्टाफ द्वारा दी गई प्रस्तुतियां देखकर लगता ही नहीं कि यह वह कर्मचारी है जो एक परिचारक के तौर पर रोगियों को हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहे हैं।इन्हें देखकर लगता है कि यह सभी अच्छे प्रशिक्षित कलाकार हैं।उन्होंने हॉस्पिटल की सेवाओं की सराहना की और इस तरह की गतिविधियों को सतत बनाए रखने की अपेक्षा की। हैल्थ ऑफिसर श्रीमती बबीता सिंह ने कहा कि रोगियों के साथ दुख और तकलीफ में काम करते हाउसकीपिंग स्टाफ की मनस्थिति किस तरह की रहती होगी इसे समझा जा सकता है कि किन्तु हाउसकीपिंग वीक के शुभारम्भ पर दिखी प्रस्तुतियों से लगता है कि कर्मचारियों में काम के साथ साथ सांस्कृतिक विरासत और परम्पराओं की भी बखूबी समझ है। कार्यक्रम के आरंभ में सभी हाउसकीपिंग स्टाफ के माथे पर कुमकुम का तिलकार्चन कर उन्हें सभागार में प्रवेश कराया गया और उन्हें सम्मान के साथ बैठाया गया। हॉस्पिटल के सीईओ एस के जैन ने कर्मचारियों से पूर्व निष्ठा और समर्पण भाव से रोगियों को सेवाएं देने तथा हॉस्पिटल की सेवाओं के प्रति उनका भरोसा कायम बनाए रखने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल का हाउसकीपिंग स्टाफ अब से रोगी की सेवा और हॉस्पिटल की स्वच्छता के प्रति समर्पित भाव से संकल्पित रहेगा। अंत में सभी आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सफलता के स्वर्णिम 55 YEAR 1967-2023
जयपुर - पदमपुरा - श्रीमहावीरजी पदयात्रा
मंगलवार 17 अक्टूबर 2023 से रविवार 22 अक्टूबर 2023 तक
दो अतिशय क्षेत्रों की एक साथ पदयात्रा पदमपुरा एवं श्री महावीर जी का पुण्य लाभ
हरे भरे खेतों की सुरम्यता, नदियों - पर्वतों के प्राकर्तिक सौन्दर्य के साथ
पदयात्रा में विभिन्न गाँवो के मंदिरों के दर्शनो का लाभ
सम्पर्क सूत्र
श्री बाबूलाल बाकलीवाल 9460380440 | श्री महावीर गोदीका 9828134321 | श्री मुक्तेन्द्र जैन 9414389118 | श्री अरूण पाण्ड्या 9214420056 | श्री मयंक भौंच 9828018882 | श्री सौरभ गोधा 7976296309 | श्री अखिलेश गंगवाल 9414044492

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380
दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान सुपार्श्वनाथ का पंचामृत अभिषेक किया

उत्तम आर्जव धर्म की पूजा की

धुआँ, टोंक. शाबाश इंडिया। श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर धुआँ में भादवा शुक्ल षष्ठी गुरुवार को श्री जी का पंचामृत अभिषेक एवं भगवान सुपार्श्वनाथ की वृहद शांति धारा की गई। शिखर चंद पाटौदी ने बताया कि गुरुवार को प्रातः श्री जी का जलाभिषेक किया गया तत्पश्चात मूल नायक भगवान सुपार्श्वनाथ का पंचामृत अभिषेक किया गया जिसमें घी दूध दही नारियल पानी अनार रस इक्षु रस सुगंधित जल सर्वऔषधी केसर चंदन आदि से भगवान का पंचामृत अभिषेक किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारे लगाए जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भगवान की भक्ति में सराबोर हो गया। तत्पश्चात ऋद्धिमंत्रों के उच्चारण के साथ भगवान की वृहद शांतिधारा की गई। श्रद्धालुओं ने पार्श्वनाथ भगवान, मुनिसुव्रतनाथ भगवान एवं चौबीस तीर्थंकर भगवान का पूजन कर श्री जी के चरणों में अष्ट द्रव्य एवं श्रीफल समर्पित किये ।इस अवसर पर शिखर चंद पवन कुमार मुकेश कुमार विमल कुमार महावीर प्रसाद अंजना देवी अंपा देवी विमला ज्योति रुचि आरती आदि मौजूद थे। महिलाओं द्वारा दसलक्षण विधान की पूजा के तहत उत्तम आर्जव धर्म की पूजा की एवम श्री जी को अष्ट द्रव्य एवं श्रीफल चढ़ाए गए। ज्योति जैन ने बताया कि दसलक्षण पर्व के दौरान धुआं जैन मंदिर को खूबसूरत डेकोरेशन से सजाया गया सांयकाल मंदिर में भगवान की महाआरती भक्तामर का पाठ एवं णमोकार का जाप किया गया तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में भक्ति नृत्य एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया।

दस लक्षण महापर्व के अंतर्गत चल रहे 10 दिवसीय सहस्त्रनाम जिन शासन विधान में हुए अनेक आयोजन

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पावन चातुर्मास 2023 के अन्तर्गत आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी स संघ धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रही है, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा अवगत कराया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा के बाद दसलक्षण महामहोत्सव के अन्तर्गत आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय सहस्त्रनाम जिन शासन विधान में 100 अर्घ्य चढ़ाये गए तथा दशलक्षण विधान के 16 अर्घ्य चढ़ाये गये ।कार्यक्रम में रामस्वरूप, शिखर चंद,राजेंद्र कुमार, जीतू जैन मोदी परिवार जनों ने बोली के माध्यम से उक्त विधान का पुण्यार्जन प्राप्त किया।

क्षमा भाव मन में रहे

'क्षमा' मांगने से कहीं अधिक कठिन है किसी को 'क्षमा करना' जहां जरूरत है किसी से 'क्षमा मांगने' की वहां 'क्षमा मांगें' और जहां जरूरत है 'क्षमा करने' की वहां 'क्षमा' करें ताकि 'जीवन' को 'खुशी-खुशी' जी सकें।

क्षमा करे बलवान ही, कर के हृदय विशाल।
छोटी -छोटी भूल को, रखे न सौरभ पाल॥

क्षमा कष्ट हरती सदा, होता बेड़ा पार।
परहित में जीते रहो, करके यत्न हजार॥

आता है व्यक्तित्व पर, सौरभ तभी निखार।
गलती हो जाए अगर, कर लो भूल सुधार॥

क्षमा मुझे कर दीजिये, अंश प्रभु का मान।
सत्य क्षमा के भाव है, ईश -कृपा वरदान ॥

क्षमा बने संजीवनी, करले भूल सुधार।
छोटी छोटी बात पर, क्यों करते हो रार॥

दया प्रेम करुणा क्षमा, जीवन के श्रृंगार।
चित्त शुद्ध हो प्रेम हो, रहते नहीं विकार॥

प्रेम, सत्य, ममता क्षमा, निर्मल है आधार।
करो दया हर जीव पर, सौरभ छोड़ विकार॥

क्षमा भाव मन में रहे, करे तत्व की खोज।
सदा सत्य वाणी मधुर, भरे मनुज में ओज॥

गलती कर माँगे क्षमा, करे बैर का अंत।
क्षमा भाव यदि हो हृदय, जीवन बने बसंत॥

-डॉ सत्यवान सौरभ

दिगंबर जैन समाज चौमूं द्वारा दस लक्षण महापर्व पर हो रहे हैं भव्य आयोजन

चौमूं. शाबाश इंडिया। शहर में चंद्रप्रभु शांतिनाथ पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी में जैन समाज द्वारा दस लक्षण महापर्व के तृतीय दिवस पर प्रातः कालीन अभिषेक शांति धारा एवं आजव धर्म की पूजन की गई। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया कि आज भगवान के प्रथम अभिषेक एवं शांति धारा करने का सौभाग्य श्रीमान नेमीचंद पीयूष कुमार जैन को प्राप्त हुआ। जैन समाज अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने बताया कि कथनी और करनी में भेद करने वाला न स्वयं तिर पाता है बल्कि अपने साथ चलने वालों को भी डूबने के कगार पर ला देता है इसीलिए कपटी की मित्रता से सदा दूर रहो आजव धर्म अपना लो तभी अपना कल्याण कर सकते हो। क्योंकि छल को छल हि खत्म कर सकता है इसीलिए अच्छी संगत में रहोगे तो अच्छे ही गुण आएंगे। संयोजक नितेश पहाड़िया आयोजक हिरालाल सुनिल जैन के सानिध्य में सायकाल महा आरती णमोकार भजन सांस्कृतिक कार्यक्रम कौन कितने पानी में संपन्न हुए। पार्सल गेम के विजेताओं को संयोजक आयोजक द्वारा पुरस्कार वितरण किए गए ।विजेताओं में दिव्यम अरन्जय रेणु देवी निशा कासलीवाल विजेता रही। इन सभी कार्यक्रमों के दौरान जैन समाज के पूर्व उपाध्यक्ष निहालचंद जैन सुरेंद्र काला पारस कासलीवाल शुभम चौधरी मुकेश चौधरी दिनेश छाबड़ा महामंत्री राजेंद्र पाटनी चंदा देवी सुनीता चौधरी प्रभादेवी शशि देवी इत्यादि श्रावक मौजूद थे।

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दस लक्षण पर उत्तम आर्जव धर्म की पूजा हुई

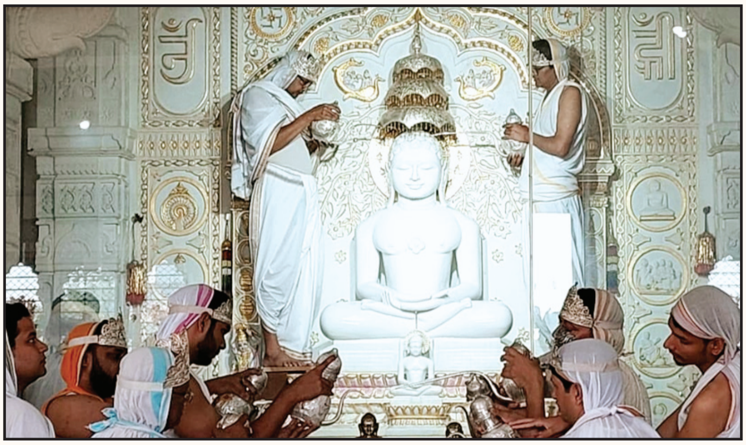

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। महावीर कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दस लक्षण पर उत्तम आर्जव धर्म के दिन मूल नायक श्री शांतिनाथ भगवान पर महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा उत्साह पूर्वक की गई। ट्रस्ट के सचिव संजय जैन ने बताया कि प्रातः सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक कर विनय कुमार गोधा एवं अनिल कुमार बड़जात्या परिवार ने मुलनायक शांतिनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी श्रावकों ने शांतिधारा की। इस उपरांत उत्तम आर्जव धर्म की पूजा-अर्चना कर अर्ग समर्पण किये। रात्रि में 7:00 बजे श्रीजी की एव 48 दीपों से भक्तामर की महाआरती की गई। इस उपरांत पंडित सेजल भैया द्वारा शास्त्र सभा में उत्तम आर्जव धर्म पर व्याख्यान दिया। बिंदु एवं आयुषी गोधा के संयोजन में भाग्य एवं पुरुषार्थ विषय पर सुंदर धार्मिक तंबोला आयोजित हुआ। बड़ी संख्या में प्रतियोगियों ने भाग लिया।

मन, वचन में सरलता अर्थात कुटिलता का न होना ही उत्तम आर्जव धर्म है

दसलक्षण महापर्व का तृतीय दिवस उत्तम आर्जव धर्म के रूप में मनाया गया

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर ।दसलक्षण महापर्व का तृतीय दिवस उत्तम आर्जव धर्म के रूप में मनाया गया । शहर के समस्त जैन मंदिरों में इस महापर्व के दौरान दस दिवस विशेष धर्म प्रवाहना हो रही हैं। विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातः काल शहर के सभी जैन मंदिरों में जिनेन्द्र प्रभु के प्रासुक जल से कलशाभिषेक हुए ,इसके पश्चात शांतिधारा व मंडल विधान पूजन हुआ । उत्तम आर्जव धर्म कहता है कि हमें अपने जीवन को ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए कुछ नहीं करना बस सरल बने रहना है, सरल बने रहने में कोई मेहनत नहीं है सबसे सरल काम है सरल बने रहना ।पंडित जयंत शास्त्री ने बताया कि हमें अपने जीवन में अपना मोक्षमार्ग प्रस्तुत करने के लिए सरलता पूर्वक जीवन यापन करना चाहिए ।उत्तम आर्जव धर्म हमें सिखाता है कि किसी के साथ भी छल कपट नहीं करके जो मन में वचन में हो उसे ही क्रियान्वयन में लाना चाहिए। छल कपट करने वाले व्यक्ति का ये संसार तो बिगड़ता ही है और वह अपने अगले भव को भी बिगाड़ लेता है। आर्जव शब्द ऋजुता से बना है जिसका अर्थ सरलता, निष्कपटता का भाव है। पंडित आशीष जैन शास्त्री ने बताया कि उत्तम आर्जव धर्म अपने ह्रदय में सरलता व निष्कपटता के साथ जीना सिखाता है। जैन धर्म के ये दस धर्म मानव क्रमानुसार आत्मसात कर अपना जीवन जिये तो वो संसार में भी प्रशंसा का पात्र रहता है और इन धर्मों के द्वारा पुण्यार्जन कर भावी जीवन भी सुधार सकता है। बड़ा मंदिर कमेटी के मंत्री अजित जयपुरिया ने बताया कि बड़ा जैन मंदिर में प्रातः शांतिधारा का सौभाग्य नानगराम सेठी परिवार , संतोष बिनायक्या परिवार व सेठी परिवार श्रीमाधोपुर द्वारा की गई ।दंग की नसियां मंदिर जी में शांतिधारा का सौभाग्य चमेली

देवी मोदी परिवार व नवरतन छाबड़ा बीड़ वालो को प्राप्त हुआ। नया मंदिर कमेटी ने बताया कि मंदिर जी में प्रातः प्रथम अभिषेक का सौभाग्य राजकुमारी काला चारणवास वाले परिवार को प्राप्त हुआ ।देवीपुरा जैन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पदम पिराका व नरेश लालास ने बताया कि उत्तम आर्जव धर्म पर महाआरती सहित सम्पूर्ण मांगलिक क्रियाओं का सौभाग्य भागचंद पंकज कुमार सुनील कुमार छाबड़ा दुधवा परिवार को प्राप्त हुआ। खेत स्थित आदिनाथ जैन मंदिर के रवि पाटनी ने बताया कि मंदिर जी में दसलक्षण महापर्व के दौरान दस दिन विशेष पूजा अर्चना हो रही है ।प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि सेठी कॉलोनी स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में इस दसलक्षण पर्व पर इस बार संगीतमय पूजन चल रहे है । भाद्रपद माह में 10 दिवस तक चलने वाले इस पर्वाधिराज दसलक्षण महापर्व में हर बार की तरह इस बार भी समाज के युवा व बच्चों में उत्साह देखने को मिल रहा है , सभी जैन मंदिरों में प्रातः अभिषेक ,पूजन में बड़े - बुजुर्गो के साथ युवा भी उत्साह पूर्वक सम्मिलित हो रहे है व धर्म प्रवाहना कर रहे है ।

जैन मंदिर विवेक विहार में उत्तम आर्जव धर्म की पूजा के साथ रात्रि में जैन मंदिर विवेक विहार में हुए सांस्कृतिक धार्मिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । समाज के सचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन समाज के सदस्यों ने बहुत ही उत्साह के साथ ब्रह्मचारी पूर्णिमा दीदी के द्वारा प्रातः काल कराए जा रहे योग मेडिटेशन में बढ़ चढ़कर भाग लिया। योग प्रोग्राम के बाद में बाद में श्री जी पर अभिषेक, शांति धारा एवं चतुष्कोण किए इस दौरान अभिषेक करने के लिए बच्चों और बड़ों में बहुत ही उत्साह देखने को मिला । उत्तम मार्दव धर्म के अवसर पर श्रावक-श्राविकाओ ने ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी के सानिध्य में उत्तम मादव धर्म पर पूजा अर्चना की गई । इस अवसर पर दीदी ने अपने उद्बोधन में उत्तम मार्दव धर्म के बारे में बताया। दशलक्षण पर्व संयोजक दीपक सेठी ने बताया कि सायंकाल सामूहिक महाआरती मे सभी ने बहुत ही आनंद और उत्साह के साथ में भगवान की एवं इस अवसर महा आरती पुण्यार्जक परिवार दिलीप कुमार, प्रशांत, मेघा एवं समस्त सेठी परिवार का तिलक, माला, मुकुट लगाकर अभिनंदन किया गया ।आरती के बाद पूर्णिमा दीदी के निर्देशन में प्रतिक्रमण का आयोजन किया गया। महिला मंडल मंत्री अलका पांडया ने बताया की इसके बाद में महिला मंडल की और से सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत बच्चों का धर्म के ऊपर टैलेंट शो प्रोग्राम किया गया । जिसमें दो कैटेगरी में तकरीबन 4 साल से लगाकर 15 साल तक के बच्चों ने भाग लिया । प्रोग्राम में बच्चों ने विभिन्न वेशभूषा और अपने निराले अंदाज से मंदिर प्रांगण में उपस्थित सभी का दिल जीत लिया। सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर अपना टैलेंट दिखाया. । टैलेंट शो में निर्णायक की भूमिका में अरविंद जैन, धर्मेंद्र गंगवाल,सजंय जैन लाडनूं थे। प्रशनमंच और टैलेंट शो के विजेताओं को पुण्यार्जक परिवार धर्मेंद्र, कविता गंगवाल की ओर से इनाम वितरित किए गए । इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष सरला बगड़ा ने सभी का आभार जताया । कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस, सचिव सुरेंद्र पाटनी, कोषाध्यक्ष पारस छाबडा, उपाध्यक्ष अरुण रावकां,भागचंद पाटनी, अमित ठोलिया , महेश जैन ,पदमचंद सौगानी, शिखर चंद रारा, मोहनलाल पाटनी, जिनेद्र छाबड़ा, राजेश बधाल,नवीन पांडया, मुकेश सेठी,दीपक कासलीवाल, धमीचंद जैन, शोभागमाल जैन,अनिल जैन पचेवर , मनोज कासलीवाल , पदमचंद पाटनी मंडावरी, अरिहंत बगड़ा, राहुल जैन, पूर्व पार्षद मोनिका जैन,अंजना काला, रौनक बगडा,सुनीता कासलीवाल,मोना सेठी, ललिता छाबड़ा, शालिनी बगड़ा, कविता बिंदायका, शिल्पी बगड़ा, निशा छाबड़ा, समता पाटनी सहित समाज के सदस्य गण उपस्थित थे।

सीकरी में जैन युवा परिषद् द्वारा म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता

सिद्धी व कोमल जैन रहे प्रथम

सीकरी. शाबाश इंडिया

दशलक्षण पर्व के तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म मनाया गया। समाज के सभी श्रावक श्राविकाओं ने बड़े धूमधाम से जैन मंदिर में उत्तम आर्जव धर्म की पूजन की व शांतिधारा करने का सौभाग्य नरेशचंद दिनेशचंद जैन नेताजी परिवार को प्राप्त हुआ। इसके अलावा अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् द्वारा बुधवार शाम को म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता आयोजित हुई। युवा परिषद् के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि प्रतियोगियों के उम्र के आधार पर दो ग्रुप बनाए गए जिसमें 3 से 12 वर्ष तक के ग्रुप में प्रथम स्थान सिद्धी जैन, द्वितीय पीहू जैन व तृतीय देवांश जैन ने प्राप्त तथा 12 वर्ष से अधिक उम्र वाले ग्रुप में कोमल जैन ने प्रथम, लक्ष्य जैन ने द्वितीय व कपिल जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को रुक्मणी जैन द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अंकित जैन, रतनेश जैन, विशेष जैन, अक्षत जैन, रिंकू जैन,,सम्यक जैन, दीपांशु जैन आदि मौजूद रहे।

23 सितंबर को होगी विशाल जैन संगीतमय हाऊजी और सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के मनिहारों का रास्ता में स्थित बड़ा दीवान जी के मंदिर में शनिवार 23 सितंबर को, बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्ति नृत्य करते हुए जैन संगीतमय हाऊजी का आनंद लेंगे। साथ ही इस अवसर पर जैन रत्न विशिष्ठ के सम्मान से जौहरी बाजार निवासी डा. शीला जैन को और जैन रत्न की उपाधि से महावीर नगर निवासी नीरज गंगवाल को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन के बारे में बताते हुए राकेश गोधा और सुरेंद्र पाटनी ने बताया कि यह आयोजन प्रति वर्ष सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था फेडरेशन और जैन सोशल ग्रुप जयपुर गोल्ड की ओर से बड़ा दीवान जी के मंदिर में आयोजित किया जाता है। सामूहिक जिनेन्द्र आराधना के महामंत्री धीरज पाटनी एवम् जेएसजी गोल्ड के सचिव विनीत चांदवाड़ ने बताया कि इस विशेष आयोजन में समाजसेवी अनिल, अरविंद, दीपक जैन दीवान परिवार और सुप्रसिद्ध समाज सेविका ममता सोगानी जापान वाले दीप प्रज्वलन करेंगे। हाऊजी आडियो और वीडियो मेगा एलईडी स्क्रीन पर प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम समन्वयक संजय काला के अनुसार कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि राजीव अंजू जैन जवाहर नगर, पारस रूबी बड़जात्या, संजय चंचल पांड्या तथा पुरस्कार सौजन्यकर्ता अतिथि नरेश-आशा रांवका जनता कॉलोनी, विनय- स्नेहलता सोगानी वल्ड जेम्स, रितेश सुगंधा जैन सोध्या, मारिया बैंगल्स, मनिहारो का रास्ता और श्रीमती ललिता देवी चांदवाड, सिद्धार्थ नगर एवं दिनेश खंडेलवाल श्रद्धा साड़ी वाले है। कार्यक्रम संयोजक भरत जैन, सरिता गोधा,निर्मल पांड्या, जीतेश लुहाड़िया और राजेश चौधरी ने बताया कि इस आयोजन का एक और महत्वपूर्ण सत्र था जिसमें समाज के दो व्यक्तित्व सुप्रसिद्ध समाजसेविका डा. शीला जैन और और मानव सेवार्थ व चिकित्सा के क्षेत्र में सेवाएं देने वाले युवा समाजसेवी नीरज गंगवाल को जैन रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। अन्त में हाऊजी के विजेताओं को, समय पर आने वालों को लक्की ड्रा के माध्यम से और 3 साल से 10 साल तक के सभी बच्चों को पुरस्कार दिए जायेंगे।

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए 3 सेक्टर, शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मालवीय नगर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। दसलक्षण धर्म के पुनीत पर्व पर दिनांक 19सितंबर से 10 दिन लगातार साँय 8.30 बजे से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम 3 सेक्टर, शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के सुधासागर सभागार में आयोजित किये जा रहे हैं। महिला मंडल द्वारा वसुमती से चंदनबाला नामक अभूतपूर्व नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें राजस्थान अंचल से महावीर बाकलीवाल- महामंत्री,श्री डॉ नमोकार जैन -कार्याध्यक्ष, अशोक गोधा, कार्यकारिणी सदस्य एवं श्रीमती ललिता बाकलीवाल ने निरीक्षण किया। जिनका स्वागत अभिनन्दन महिला मंडल के अलावा शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष सी एल जैन साब, लल्लू लाल बैनाड़ा, प्रीति बाकलीवाल, निधि बड़जात्या, संभागीय अध्यक्ष अजीत बड़जात्या, कोषाध्यक्ष अरुणटीटी काला द्वारा किया गया।

बच्चों को मिले स्कूल बैग, नए वस्त्र व पुस्तकें

समर्पित प्रयास व प्रभू अनुकंपा से सफलता मिलती है: स्वामी स्वामी स्वरूपामृता चैतन्य

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। अमृता अस्पताल में संचालित अमृता पाठशाला के 40 से अधिक बच्चों को संबोधित करते हुए स्वामी स्वरूपामृता चैतन्य ने कहा, जीवन में सफलता पाने के लिए समर्पित प्रयास व प्रभू अनुकंपा का संयोग महत्वपूर्ण है। कोई भी नाव एक पतवार से लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकती, दोनों पतवार चलाने से ही लक्ष्य मिलेगा, प्रयत्न और प्रभु कृपा हमारे जीवन की नाव के दो पतवार हैं। अमृता पाठशाला के बच्चों को नए स्कूल बैग, किताबें, स्लेट व बहुत सुंदर नए कपड़े बेटियों को दिए गए। वर्धमान महावीर सेवा सोसायटी व श्री अभिनव जैन के सौजन्य से यह सामग्री बच्चों को मिली, जिस पर बच्चे हर्ष, आनंद व संतुष्टि से भर गए। सर्वप्रथम पूज्य अम्मा जी के चित्र के समक्ष स्वामी जी, डॉ सुभाष जैन, अभिनव जैन, लवण जैन, अरुण जैन ने दीप प्रज्वलित कर अम्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। स्वामी जी, सुभाष जैन, अभिनव जैन, लवण जैन, अरुण जैन, श्रीमती दीपा गर्ग, श्री एम एल जैन ने बच्चों को नई ड्रेस व स्कूल बैग दिए।

निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 4000 शिवरार्थी सीख रहे धर्मध्यान आदि धार्मिक क्रियाएं

दस लक्षण पर लगा 30वां श्रावक संस्कार शिविर

आगरा. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज के दशलक्षण पर्व के तीसरे दिन गुरूवार को जैन मंदिरों में उत्तम आर्जव धर्म की पूजा की गई । श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार हरीपर्वत में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के तीसरे दिन का शुभारंभ शिविरार्थी ने प्रातःकाल धर्मध्यान,श्रीजी अभिषेक एव शांतिधारा के साथ किया। शिविरार्थी ने मुनिश्री ससंघ के मंगल सानिध्य एवं ब्रह्मचारी प्रदीप भैया सुयश एवं ब्रह्मचारी विनोद भैया,ब्रह्मचारी महावीर भैया , दिनेश गंगवाल के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ उत्तम आर्जव धर्म की पूजन की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की धर्मसभा का शुभारंभ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ कियो धर्मसभा में शिविर पुण्यार्जक परिवार द्वारा मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए। इसके पूर्व सभी 4000 शिविरार्थियों को मुनिश्री ने ध्यान साधना करायी। सायंःकाल शांतिसागर ग्रुप,ज्ञानसागर ग्रुप, विद्यासागर ग्रुप,सुधासागर ग्रुप, गम्भीरसागर ग्रुप के शिविरार्थियों के अतिरिक्त प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप जैन सुयश,सुकांत भैया,महावीर भैया ने धार्मिक बोध का पाठ पढ़ाया। मुनिश्री ने उत्तम आर्जव धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा खुद का जीवन जब हमारे ही काबू से बाहर हो जाता है तो व्यक्ति वह किंकर्तव्यविमूढ़ होकर संसार के उन रास्तो पर चला जाता है जिन रास्तो पर कोई मंजिल ही नही होती। मंजिल विहीन रास्ते होते है लेकिन वो मंजिल पर नही पहुँचाते है। वो ऐसे भटकाव में डाल देते है जिसमे लगता है कि हम बहुत कुछ चल रहे है लेकिन जब उपलब्धि देखते है तो ऐसा लगता है जैसे हम एक कदम भी नही चले। कभी जिंदगी को शांति से बैठकर देखना कि तुमने इतनी बड़ी जिंदगी में क्या पाया है,क्या ऐसा लग रहा है कि मैं जैसे जैसे बड़ा होते जा रहा है मुझे आनंद आ रहा है। कुछ पाने का रस नही,कुछ प्राप्त हो चुका है उसका रस। व्यक्ति जी रहा है भविष्य के लिए। जितना भी तुम पुरुषार्थ कर रहे हो वो सब भविष्य के लिए कर रहे हो। और भविष्य की एक चिंता ऐसी है जो वर्तमान के आनंद को मिटा देती है। हम जी नही रहे है मरने से डर रहे है। हम यात्रा करते है, यात्रा का आनंद कम आता है,कंही एक्सीडेंट न हो जाये। हम धन कमाते है, धन का आनंद कम आता है कंही चोरी न चला जाये। जितना धन कमाने का आनंद नही है उतना धन को सुरक्षित रखने का टेंशन है।अमीर आदमी को यदि लूटने का भय है तो वह संसार का सबसे बड़ा दरिद्र आदमी है। कंही मेरे बेज्जती न हो जाये समझ लेना आपकी कोई इज्जत नही है दुनिया मे क्योंकि आपके मन मे बना है कोई मेरी बेज्जती न कर दे मैं इज्जत वाला आदमी हूँ। इसको इज्जत नही बोलते है इज्जत वाला वो आदमी है जिसको अनुभव में आ जाये मैं इज्जत वाला आदमी हूँ क्योंकि संसार मे आज तक कोई पैदा नही हुआ जो मेरी बेज्जती कर दे। जीते जी मरने का डर लग रहा है तो हम चलते फिरते मुर्दा है क्योंकि हमारे मन मे मरने का डर है, जीने का आनंद नही है।कोई तुम्हारी जिंदगी में आवे और तुम्हे दुख देकर गया वो तुम्हारा दुश्मन है या कि मीत है,दुश्मन है। ऐसे ही तुम्हारे घर मे कोई मर गया और हम दुखी हो गए तो वो तुम्हारा मीत नही था वो बैरी आया और दुख देके चला गया। माँ-बाप भी बैरी हो सकते है जन्म दिया और चले गए,जा बेटा खाता रहे दूसरे की जूठन। बदला राग से ही नही द्वेष भी लिया जा सकता है। द्वेष से खतरनाक होता है राग का बदला। बेटा है, जवान हुआ और मर गया तुम्हे निपूता करके चला गयो पूर्व भव का बैरी था दुख देकर चला गया। आर्तध्यान बैरी से ही होता है। जो कुछ आपके पास है वो सब आपने चाहा था या उसने आपको चाहा था। संसार की दृष्टि बता रहा हूँ कि जिस जिसको तुमने चाहा है वो धोखा देगा ही देगा और जिस जिस ने तुम्हे चाहा है वो धोखा नही देगा। जब जब तुम दुनिया के पीछे दौड़ोगे, धोखा खाओगे। जैनदर्शन सबसे पहले यही बात कहता है इस दुनिया मे तुम किसी को आकर्षित मत करना,दुनिया मे किसी को मत चाहना, दुनिया से कभी इज्जत की कल्पना मत करना। किसी व्यक्ति से तुम इज्जत चाहते हो बहुत धोखा खाओगे,वही व्यक्ति तुम्हारी बेज्जती करेगा। जो व्यक्ति कहते है हमे कुछ नही चाहिए उनके सामने तीन लोक की हर वस्तु उनके चरणों की धुल बनने के लिए लालायित रहती है। जिस जिस व्यक्ति ने शांति चाही, वो जिंदगी में कभी शांति नही पा पाया। जिस जिस व्यक्ति ने ये भाव किया कि मैं बहुत बड़ा आदमी बनना चाहता हूँ, कभी बड़ा नही बन पायगा। मोक्ष चाहने को कभी मोक्ष नही मिलता। जो गुटखा नही खाते है, जो जो नशा नही करते है, जो जो रात्रि में नही खाते है समझ लेना उन्हें जैनकुल पुरस्कार में मिला क्योंकि पुरस्कार में मिली हुई वस्तु पाप नही कराती है। मांगी हुई वस्तु नियम से पाप कराएगी और बिना मांगी हुई वस्तु पाप कराती है। पाँच लोग है जो मन्दिर नही आएंगे, अभिषेक नही करेगे फिर भी वो मायाचारी नहीं करेंगे वो सम्यकद्दष्टि कहलायेंगे-तिर्यंच स्त्री,कोड़ी-कुष्ठी जिसने ऐसे कुल में जन्म में लिया है जो मन्दिर नही जा सकते या कोई ऐसा पाप किया है जिसके कारण समाज से बहिष्कृत है। आज सारे जैनियों को नियम लेना है कि मैं धर्मक्षेत्र में अपनी शक्ति नही छिपाऊँगा क्योंकि मैं उस कुल में जन्मा हूँ जिसमे भगवान का अभिषेक कर सकता हूँ, जहाँ अभक्ष्य, रात्रिभोजन नही खाया जाता। पाप होने पर गुरु से कभी छिपाना नही और ऐसा कोई पाप नही करना जो गुरु को नही बता सको। ये है अनन्तानुबन्धी मायाचारी। जिस पाप को करते समय लगे कि मैं अपने माँ-बाप को नही बता पाऊँगा वो सबसे बड़ा महापाप है। अपने खून से अपने दूध से कभी मायाचारी मत करना। शाम को सभी शिविरार्थी ने संगीतमय मुनिराज की मंगल आरती की गईं मीडिया प्रभारी शुभम जैन के मुताबिक गुरुवार को श्रावक संस्कार शिविर के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म की पूजा की जाएगी धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने कियो धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएसी,नीरज जैन जिनवाणी, हीरालाल बैनाड़ा, निर्मल मोठया,पन्नालाल बैनाड़ा, राजेश बैनाड़ा विभू बैनाड़ा,राकेश सेठी, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राहुल जैन, विजय धुर्र, हुकुम जैन काका, दिनेश गंगवाल, पंकज जैन,यतीन्द्र जैन, शैलेन्द्र जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

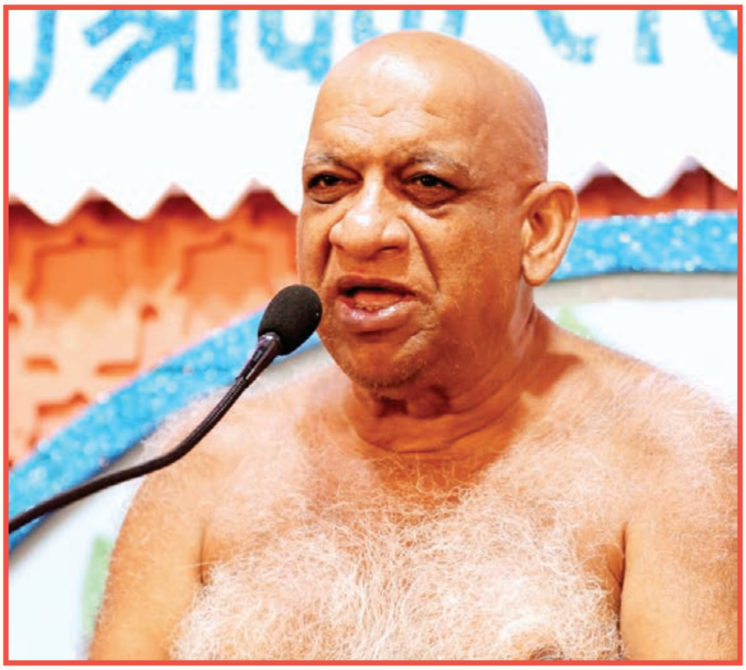

रिपोर्ट :
मीडिया प्रभारी शुभम जैन

मुनि श्री सुयश सागर गुरुदेव ने कहा...

आर्जव धर्म हमें सरलता की ओर जाने का उपदेश देता है परिणाम की सरलता ही आर्जव धर्म है

झुमरीतिलिया. शाबाश इंडिया

जैन धर्म का महान पर्व दसलक्षण पर्व का तीसरा दिन जैन समाज के श्रद्धालु भक्त जनों ने उत्तम आर्जव धर्म के रूप में मनाया झुमरी तिलैया में चातुर्मास कर रहे जैन मुनि श्री सुयश सागर गुरुदेव ने अपनी पियूष वाणी में भक्त जनों को कहा कि आर्जव धर्म हमें सरलता की ओर जाने का उपदेश देता है परिणाम की सरलता ही आर्जव धर्म है कुटिल प्रेम का जहां पर त्याग किया जाता है वहीं पर आर्जव धर्म प्रकट होता है। दूसरे को दिखाने और छिपाने की कोशिश कभी मत करिए आप जितना सरल होंगे अंतरंग का आनंद उतना अधिक बढ़ेगा । प्रकृति का दिया जीवन ही आर्जव धर्म है धर्म हमें सरलता सीखाता है मन वचन काय की एकता जहां पर होती है वहीं पर आर्जव धर्म की सार्थकता होती है सरलता जहां नहीं है वहां पर सत्य भी नहीं पनपता है सरलता सभी धर्म की आधारशिला है मोक्ष मार्ग की प्राप्ति के लिए सरल होना जरूरी है धर्म एक ही है धर्म में भेद नहीं है सभी धर्म हमें सरलता सीखना है जैसा हम दिखाते हैं वैसे हम है नहीं मनुष्य के दिमाग में कुछ चलता है मन में कुछ चलता है एक दूसरे के प्रति मायाचारी का भाव रखने के कारण क्रोधित और दुखी होता है स्वयं और स्वयंभू से हम कुछ भी नहीं छुपा सकते हैं वह सब कुछ जानते हैं एक ही परिवार में व्यक्ति बाप बेटा पत्नी चाचा भतीजा सभी आपस में मायाचारी कुटिलता का भाव रखते हैं सच और झूठ करते हैं और यही मायाचारी स्वभाव जीवन में दुख का कारण बनता है मन वचन काय से किया जा रहे छल को छोड़ना ही आर्जव धर्म है आज मनुष्य गिरगिट से ज्यादा रंग बदल रहा है अपने स्वभाव और पहचान को दूर करता जा रहा है एक चेहरे पर अनेक चेहरे दिखाई दे रहे हैं हकीकत कुछ और है दिखावा कुछ और है और यही मायाचारी व्यवहार के कारण ही दुखी है और कष्ट झेल रहा है अपने प्रति इमानदार बनिए हम जैसा दिख रहे हैं वैसा है नहीं बनावटी दिखावटी और सजावटी चेहरों को बदलना चाहिए मनुष्य का जीवन बांसुरी की तरह होना चाहिए जहां हमेशा सुरीली आवाज ही निकलती है जो अंदर और बाहर एक होता है अपने प्रति इमानदार बनिए सबके प्रति ईमानदार रहिएगा अपने आप को सरल बनाने पर ही भक्ति पूजा और व्यापार सफल हो सकता है। आज प्रातः नया जैन मंदिर में प्रथम अभिषेक ओर शांतिधारा का सौभाग्य शांति लाल-राजेश देवी छाबडा के परिवार को ओर बड़ा जैन मंदिर के मुलवेदी पर अशोक - अनिल पाटोदी, 1008 आदिनाथ भगवान का , पारस सेठी भगवान का मंगल विहार ओर प्रथम अभिषेक मुकेश-मोना छाबडा, ओर विशेष मुनि के मुखर बृंद से अभिषेक शांतिधारा स्वर्ण कलश से संजय-अजय बड़जात्या, ओर रजत कलश से मुकेश,मोना छाबडा को प्राप्त हुआ,ओर आज का चरण पखारने ओर शास्त्र भेंट का सौभाग्य सुरेश नरेंद्र प्रेम बिना अरिहंत झांझरी परिवार को प्राप्त हुआ प्रातः पूजा कार्य में अभिषेक पंडित जी और सुबोध गंगवाल ने अपने भक्ति संगीत से श्रद्धालुओं को आनंदित किया। दिन में मुनि श्री द्वारा तत्वार्थ सूत्र का वाचन के साथ शाम को भव्य आरती और संस्कृत का कार्यक्रम किया जाएगा।

यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा,नविन जैन ने दी

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा जयपुर के अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी, मंत्री दिनेश काला ने बताया कि पर्वाधिराज दशलक्षण महापर्व पर श्री विद्यासागर यात्रा संघ, जयपुर द्वारा रिद्धि मत्रों से युक्त संगीतमय श्री भक्तामर अनुष्ठान का हिंदी और संस्कृत में 2304 दीपको से आराधना का कार्यक्रम रखा गया। इसमें 48 मंडलों प्रत्येक मंडल पर 48 48 दीपक द्वारा दीप प्रज्जवलन कर आदिनाथ भगवान की आराधना की गई। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष विक्रम गंगवाल एवं मंत्री मनीष बज ने बताया कि कार्यक्रम के पुण्यार्जक भागचंद मुन्नी देवी राजेश अनीता दिव्यांश एवं मेहुल गोधा परिवार ने कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करके विधिवत रूप से शुभारंभ किया। भक्तामर अनुष्ठान में राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, अशोक जैन नेता एवं समाज के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाई ।

आचार्य सौरभ सागर महाराज का 29 वां दीक्षा दिवस समारोह का भव्य आयोजन

जीवन आशा हॉस्पिटल, वर्षायोग समिति और प्रताप नगर जैन समाज ने दी 'नृत्य नाटिका' की प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी जयपुर के दक्षिण भाग स्थित प्रताप नगर के सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य एवं जीवन आशा हॉस्पिटल के प्रेरणा स्त्रोत आचार्य सौरभ सागर महाराज का 29 वां दीक्षा दिवस समारोह श्रद्धा - भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दिल्ली, लखनऊ, मुरादनगर, मेरठ, दहारादून, गुरुग्राम, गाजियाबाद, हिसार, ग्वालियर, भिंड, आगरा, भरतपुर, दौसा, अजमेर, उदयपुर, जसपुर (छतिसगढ़) सहित देशभर के विभिन्न शहरों से हजारों श्रद्धालुओं सम्मिलित हुए और आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन और आरती कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। वर्षायोग समिति गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वालों ने बताया की आचार्य श्री के दीक्षा दिवस के अवसर पर गुरुवार को प्रातः 5.15 बजे से श्रद्धालुओ द्वारा गुरुभक्ति का आयोजन किया गया, जिसमें श्रावक और श्राविकाओं ने आचार्य श्री के द्वार पर भजन - भक्ति का गुणगान कर गुरुभक्ति की, इसके पश्चात प्रातः 6.15 बजे भगवान शांतिनाथ का स्वर्ण एवं रजत कलशों से जिनाभिषेक एवं शांतिधारा कर प्रातः 7.15 बजे मुख्य पांडाल में दसलक्षण पर्व विधान पूजन और उत्तम आर्जव धर्म पूजन कर भजन - भक्ति के साथ अष्ट द्रव्यों से पूजन किया। इसी दौरान प्रातः 8.30 बजे आचार्य श्री ने दसलक्षण और उत्तम आर्जव धर्म पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आशीर्वचन दिए। दोपहर मध्याह 1 बजे मुख्य पांडाल में दीक्षा दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ जिसमें राजस्थान बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्या श्रीमती संगीता गर्ग, समाजसेवी रमेश चंद जैन तिजरिया, सीए अशोक जैन सहित गाजियाबाद जीवन आशा हॉस्पिटल ट्रस्ट समिति, आचार्य सौरभ सागर गुरु भक्त मंडल परिवार के सदस्यों सहित मानसरोवर, सांगानेर, बनीपर्क, बापू नगर, मालवीय नगर, टोंक रोड़, जोहरी बाजार इत्यादि जगहों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हुआ 29 कलशों से पाद प्रक्षालन, 29 दीपों के थाल से आरती, 15 अक्टूबर से भट्टारक जी की नसियां में आयोजित होने वाले 10 दिवसीय महामंडल विधान पूजन के पोस्टर का हुआ विमोचन वर्षायोग समिति समन्वयक आलोक जैन तिजारिया ने बताया की गुरुवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज के दीक्षा दिवस के अवसर पर दोपहर में आयोजित मुख्य समारोह के दौरान दिल्ली, यूपी, एमपी के श्रद्धालुओ द्वारा चित्र अनावरण और दीप प्रवज्जलन कर महोत्सव की शुरूवात की गई, इसके पश्चात प्रताप नगर बालिका मंडल, महिला मंडल, जीवन आशा हॉस्पिटल, विशुद्ध वर्धनी महिला मंडल द्वारा भव्य नृत्य नाटिका का मंचन किया गया। इस दौरान प्रताप नगर जैन समाज और वर्षायोग समिति द्वारा आचार्य श्री के पूर्व के पिताजी श्रीपाल जैन और माताजी का मुकुट, माला, तिलक, पटका इत्यादि पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज और आचार्य सौरभ सागर महाराज का अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन किया गया और इसी बीच 29 श्रावक श्रेष्ठियों द्वारा 29 रजत कलशों से पाद प्रक्षालन और 29 दीपों के थाल से मंगल आरती की गई। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन, गजेंद्र बड़जात्या, दुगार्लाल जैन, नरेंद्र जैन आवा वाले, सुनील साखुनियां, महेश सेठी, बाबूलाल जैन इटुंदा, जिनेन्द्र जैन शाह, सर्वेश जैन सहित युवा मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल, समाज समिति के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और श्रद्धा के समर्पण भावों को धारण कर आचार्य श्री की दीक्षा जयंती में सम्मिलित हुए।

कुटिलता और मायाचारी का परित्याग ही उत्तम आर्जव धर्मः आचार्य सौरभ सागर

गुरुवार को दस धर्म के तीसरे दिन आचार्य सौरभ सागर महाराज ने सभा को संबोधित करते हुए अपने आशिर्वचनों में कहा कि मन वचन काय की कुटिलता का परित्याग करके चित्त में सरल निष्कपट भाव धारण करना ही उत्तम आर्जव धर्म कहलाता है. आर्जव धर्म के समान संसार में कुछ भी प्रशंसनीय नही है आज प्रत्येक प्राणी मायाचार से ग्रस्त है यह माया ही प्राणियों को संसार में भटकाती है जिस प्रकार

छोटी सी, चिंगारी सारे घर को जलाकर भस्म कर देती है उसी प्रकार कुछ अंशो में यदि हम चल कपट रखते है, व्रत, संयम, तप के द्वारा उपजित पुण्यकर्मो को छण भर में नष्ट कर देती है. अपने मन में जेसा विचार हो वैसा ही दूसरो से वचन से कहो, उसी प्रकार काय की चेष्टा करो, यही सुख देनेवाला निश्चय धर्म है. जो व्यक्ति मायाचारी होता है वह टेढ़ा - मेढ़ा और कुटिल होता है। आचार्य श्री ने अपने उपदेश में कहा की हम आज तक मायाचारी से ठगते आये है, माया ठगनी न ठगी, ठगया सारा संसार. जिसने माया को ठगा उनकी जय जयकार जो उस मायाचारी की पोल खोल दे माया को ठग दे वह गुरु होता है और जो मायाचारी में फँस जाए वह भेद होता है ठगना नही हमारे जीवन में कितनी मायाचारी है. हमारी प्रत्येक क्रिया मायाचार से युक्त वह व्यक्ति कभी भी अपने जीवन में सफल नही हो सकता है क्योकि जो मायाचारी होता है उस व्यक्ति का कोई सम्मान नही करता. उत्तम आर्जव धर्म हमे यह शिक्षा देता है कि छल- कपट को छोड़ दो, अपने जीवन में सरल सहज बनो तभी तुम्हारा कल्याण संभव है। समिति कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन ने बताया की शुक्रवार को आचार्य श्री के सानिध्य में उत्तम शौच धर्म पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान प्रातः 6 बजे से कलशाभिषेक, शांतिधारा कर विधानपूजन का आयोजन होगा। शुक्रवार को जैन धर्म के 8 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत स्वामी का मोक्ष कल्याणक पर्व भी मनाया जायेगा। इस दौरान पुष्पदंत भगवान का पूजन कर अष्ट मंगल पाठ के गुणगान के साथ 8 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाया जायेगा एवं उत्तम शौच धर्म पर मंगल प्रवचन।

BJS भारतीय जैन संघटना

भारतीय जैन संघटना
पिंकसिटी, जयपुर

Bhandari Hospital & Research Centre SINCE 1986 (आपके स्वास्थ्य के साथ हमेशा)

भंडारी हॉस्पिटल एवं रीसर्च सेंटर

INDIA PROJECT, INC. indiaprojectinc.org इण्डिया प्रोजेक्ट इंक. अमेरिका

के सयुंक्त तत्वावधान में

अमेरिका के सुप्रसिद्ध डॉक्टरों व्दारा
FREE PLASTIC SURGERY CAMP
निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर

रजिस्ट्रेशन एवं जाँच शनिवार 21 अक्टूबर 2023
प्रात: 8.00 से 3.00 बजे तक

नोट: जाँच के लिये मरीज़ों ने खाली पेट आना जरुरी है

21 से 24 अक्टूबर 2023

स्थान : भंडारी हॉस्पिटल
गोपालपुरा चौराहा , टोंक रोड जयपुर

उपलब्ध सर्जरी
- कटे-फटे होंठ एवं तालू
- चेहरे के व्रण
- पलको की विकृति

नोट : जली हुई त्वचा एवं सफेद दाग का परामर्श एवं सर्जरी इस कैम्प में उपलब्ध नहीं होगी।

पूर्व रजिस्ट्रेशन के लिए हेल्पलाइन नंबर

प्रदीप चौरडिया	पवन बज	पंकज जैन
89469 45897	93145 06187	98874 19675

रोगी का नाम , पता, मोबाइल नंबर , रोग कि फोटो भी ऊपर वाले नंबर पर भेजें ।

बीजेएस पिंकसिटी चैप्टर जयपुर
शरद काँकरिया - अध्यक्ष
यश बापना - सचिव
डॉ एस के भण्डारी - मुख्य सलाहकार

अस्पताल समन्वयक
पवन ब्रह्मभट्ट
98875 10127

।। श्री पार्श्वनाथाय नमः ।।

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, जय जवान कॉलोनी, जयपुर

सुगन्ध दशमी के पावन पर्व पर

रविवार, 24 सितम्बर 2023

को सायं 6.00 बजे से

जैन रामायण

जैन ग्रंथों पर आधारित भव्य सजीव झांकी

मुख्य अतिथि –
श्री जितेन्द्र जी–रीटा जी गंगवाल एवं परिवार

उद्घाटनकर्त्ता
सेठ श्री सुशील कुमार जी रानीवाला एवं परिवार

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता –
श्री रतनलाल जी कटारिया एवं परिवार

झांकी के पुण्यार्जक – श्री अजय जी–राखी जी गंगवाल • श्री भूपेन्द्र जी–अनिता जी जैन लदाना वाले • श्री रमेश जी–मंजू जी बाकलीवाल • श्री अशोक जी 'नेता'–अल्का जी गोधा • श्री नरेन्द्र कुमार जी–मुन्ना देवी जी बैनाड़ा खटवाड़ा वाले • श्रीमती प्रभा देवी जी राजीव जी–कविता जी एवं श्रेय जी निगोतिया • श्री एकेन्द्र कुमार जी असीम जी जैन • श्री निर्मल कुमार जी अक्षय जी छाबड़ा दूदू वाले • श्री राजेन्द्र कुमार जी मेहन्दी वाला परिवार • श्रीमती चित्रा जी राजीव जी रचित जी अमित जी बगड़ा • श्री बिनोद कुमार जी सुमित जी ठोलिया • श्रीमती कान्ता देवी जी रश्मिकान्त जी अल्का जी सोनी • श्री सुधीर कुमार जी राहुल कुमार जी पाटनी दरोगा वाले

संयोजकः मृदुला पाटनी, सुमन ठोलिया, मीनू बगड़ा, श्रृद्धा कटारिया, कीर्ति जैन, मेहा बख्शी, रूपम लुहाड़िया, बरखा काला, सुरूचि जैन, सोनल जैन, पूजा जैन, प्रियंका चौधरी, राशि बगड़ा, दीप्ती जैन, कविता जैन, नेहा अजमेरा

मुख्य संयोजकः संदीप–नीतू कटारिया, रजत–पलक जैन

सह–संयोजकः रूपिन काला, विशाल जैन, गौरव गोधा, नवीन पाटनी, पुष्पेन्द्र पाटनी, सिद्धान्त काला, निहित पाण्ड्या, सौरव अजमेरा, राजीव चौकड़ायत, लव लुहाड़िया, मोहित जैन, आलोक जैन

विशेष सहयोगः विजय चौधरी, अक्षय जैन, धर्मेन्द्र अजमेरा

सभी साधर्मी बन्धुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्मलाभ अर्जित करें।

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध कार्यकारिणी

अशोक जैन 'नेता' – अध्यक्ष
भागचन्द जैन बाकलीवाल – उपाध्यक्ष
राजा मेंहदीवाला – मंत्री
राजेन्द्र पाण्ड्या – सह मंत्री
एकेन्द्र जैन – कोषाध्यक्ष

श्री पार्श्व युवा मण्डल

निखिलेश कटारिया – अध्यक्ष
अंकित बख्शी, प्रतीक लुहाड़िया – उपाध्यक्ष
अनुज बाकलीवाल – मंत्री
नितिन संघी – संयुक्त मंत्री
गौरव शाह – कोषाध्यक्ष
अनुराग जैन – संगठन मंत्री

त्रिशला महिला मण्डल

सुलेखा शाह – अध्यक्ष
चित्रा संघी – मंत्री
मन्जू जैन – कोषाध्यक्ष

सकल दिगम्बर जैन समाज, जय जवान कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर

AADITYA BATH
NBC NOTHING BEFORE COFFEE
mayanagri
SEPL Surbhi Electronet Private Limited

धुलियान में दस लक्षण महापर्व पर उत्तम आर्जव धर्म की पूजा की

धूलियान ,पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया

दस लक्षण महापर्व पर उत्तम आर्जव धर्म की पूजा की उससे पूर्व अभिषेक, तत्वार्थसुत्र का पाठ व शांतिधारा हुई। पश्चात आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी ससंघ के सानिध्य में दस लक्षण पर्व के तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म का सार समझाया गया तथा सायः को प्रतिक्रमण, महा आरती व प्रवचन तथा धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ

संकलनः संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण पर्व पर आज 22 सितंबर को होगा नाटक ''रानी अहिल्या बाई होलकर''

जयपुर. शाबाश इंडिया। उत्तम आर्जव कपट मिटावे, दुर्गति त्यागी सुगति उपजावेर नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म की पूजन की गई। इस अवसर पर विधानाचार्य पंडित रमेश जैन ने आर्जव धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उत्तम आर्जव अपनाने से मन एकदम निष्कपट और राग द्वेष से रहित हो जाता है। सरल मना लोगो के पास ही लक्ष्मी स्थाई रूप से साथ रहती हैं। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि सायंकाल मे विश्व प्रसिद्ध भारती जैन द्वारा अपना स्वास्थ्य अपने हाथ संबंधित एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में भारती जैन ने बताया कि किस प्रकार नामोकर मंत्र के माध्यम से तथा रंगो द्वारा बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। समाज के लोगो ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम का लाभ उठाया। कार्यक्रम में एन के सेठी, आई ए एस, सुरेश सबलावत, निहाल जैन एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आज की पूजन स्थापना नेमीचंद ठोलिया द्वारा तथा सायंकालीन आरती, दीप प्रज्जवलन डी सी जैन, संजय जैन,अनिल जैन एवं परिवार द्वारा किया गया।

दस लक्षण पर्व पर महिला जागृति संघ द्वारा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दशलक्षण महापर्व पर महिला जागृति संघ द्वारा 21,9,2023 गुरुवार को नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। अध्यक्ष शशी जैन व मंत्री सरोज (बेला) ने बताया की सभी प्रतियोगी ने बड़े रोचक व भक्ति भाव से नृत्य प्रस्तुत किये। नृत्य प्रतियोगिता की पुण्यार्जक श्रीमती राजकुमारी सौगाणी , बेला व कुसुम ठोलिया थी तथा फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता की पुण्यार्जक साघना काला, जयन्ती, व शारदा सोनी रही।

सुंगधदशमी के पोस्टर का भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में हुआ विमोचन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। शहर के श्री केसरिया पार्श्वनाथ जैन मंदिर,केसर चौराहा, मुहानामंडी में रविवार को आयोजित होने वाले सुंगध दशमी पर्व पर भव्य झांकी, तमाशा लकड़ी का उदघाटन समाजसेवी शैलेन्द्र-मनीषा, संजय-खुशबू जैन परिवार द्वारा किया जायेगा। अध्यक्ष महावीर कासलीवाल ने बताया कि गुरुवार को भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने झांकी के पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान नरेश जैन,सुशील बाकलीवाल,विनित छाबड़ा एवम् अरविंद कुमार जैन सहित गणमान्य लोग भी उपस्थित थे ।

जैन दस लक्षण धर्म विशेष

उत्तम शौच-'चक्कर लोभ और लाभ का'

विजय कुमार जैन राघौगढ़ (गुना)

साफ और स्वच्छ दर्पण में उभरने वाला प्रतिबिम्ब स्वच्छ होता है। दर्पण के मलिन होने पर उसमें हमारी स्वच्छ छवि प्रतिबिम्बित नहीं होती। शान्त और स्वच्छ जल में हम अपना प्रतिबिम्ब देख सकते हैं, उसका अनुमान कर सकते हैं, लेकिन गन्दा जल हमारे किसी काम का नहीं। वैसे ही गन्दा मन भी हमारे किसी काम का नहीं। जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने के लिए स्वच्छता व सफाई जरूरी है। इसी सफाई का नाम शौच धर्म। शुचेभावं शौचम् शुचिता के भाव को शौच कहते हैं। आत्मा की विशुद्धि के लिए चित्त के दर्पण की स्वच्छता जरूरी है। पवित्रता अपेक्षित है, स्वच्छता होनी चाहिए। बाहर की स्वच्छता का हम दिन-रात ध्यान रखते हैं। अपने शरीर की स्वच्छता में पूर्णतः जुटे रहते हैं। हर क्षण उसके साज-सम्हाल में तत्पर रहते हैं, लेकिन बाहर की सफाई, सफाई नहीं, मन की सफाई ही सबसे बड़ी सफाई है। तन को नहीं, मन को साफ करो, हमने आज तक तन को साफ किया है, मन अछूता रहा है। शौच धर्म मन को परिमार्जित करने का धर्म है। इच्छा कभी तृप्त नहीं होती, किन्तु कोई मनुष्य उसे त्याग दे तो वह उसी क्षण पूर्णता को प्राप्त कर लेता है। इच्छायें आकाश के समान अनन्त हैं। इच्छाओं को कोई कितनी भी पूरी करने की कोशिश करे, वे कभी पूरी नहीं होती है। कुछ करना ही है तो इच्छा पूर्ति का एक ही मार्ग है संतोष। यदि संतोष आपको प्राप्त हो जाये, तो संभव है धर्म की ओर आपकी कुछ प्रवृत्ति हो सके। अन्यथा आपकी ये सब योजनायें आपके साथ ही जायेगी। आपाधापी के इस युग में हर व्यक्ति धन का दीवाना बना हुआ है। आज के सामाजिक मूल्य भी अर्थप्रधान बन गये हैं। आज के संदर्भ में यह कहा जाता है कि अर्थ है, तो कुछ अर्थ है, अन्यथा सब व्यर्थ है। इसी अर्थ की लिप्सा में वह न जाने कितना अनर्थ कर डालता है। अर्थ के लोभी मनुष्य को उचित-अनुचित, अच्छे-बुरे का कुछ भान नहीं होता। धन भाईयों के हृदय में घ्रणा पैदा कर देता है, धन परिवारों में विवाद उत्पन्न कर देता है, धन मित्रों को अलग-अलग कर देता है और गृह युद्धों का जनक भी धन है। धन संपदा से महत्वपूर्ण जीवन है। संतों ने कहा है जड़ धन की नहीं जीवन धन की चिंता करो।

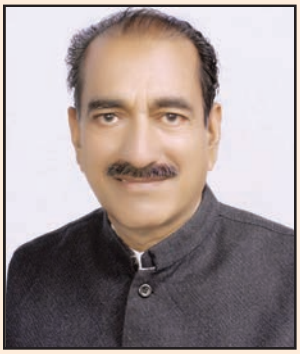

गरीब वही है जिसके अंदर तृष्णा है। धन के अभाव में भी व्यक्ति के मन में यदि संतोष है तो वह सुखी रह सकता है। गरीबी नहीं तृष्णा दुष्कर्मों की जननी है। मनुष्य पाप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये नहीं करता। पाप का कारण उसके मन में पल रही आकांक्षाऐं और तृष्णा है। हर मनुष्य जानता है कि धन सम्पदा उसके साथ जाने वाली नहीं है, उसे यह भी पता है कि मैं यदि अपने पुत्र-पौत्रों के लिये जोड़कर जाऊँ तो वे उसका उपभोग करें ही, यह जरूरी नहीं है। कुछ लोग भविष्य की चिन्ता में बड़े व्याकुल रहते हैं। भविष्य की चिन्ता में अपने वर्तमान को खोना बुद्धिमानी नहीं है। लोभी मनुष्य की वृति बड़ी विचित्र होती है। उसे अपने जीवन से भी अधिक धन की चाह होती है। ऐसे लोग चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए के सिद्धांत पर चलने वाले होते हैं। धन को जीवन निर्वाह का साधन मानकर चलना चाहिये। धन जीवन का साध्य नहीं है। धन जीवन की आवश्यकता हो सकती है पर अनिवार्यता नहीं। सन्त कहते हैं जीवन निर्वाह के लिये आवश्यक धन का संचय करो, पर उसे आसक्ति का रूप मत लेने दो। धन की आसक्ति मनुष्य को एक ऐसे अन्धकूप में ढ़केल देती है जिससे निकल पाना बहुत कठिन होता है। अपेक्षा है धन की आवश्यकता और अनिवार्यता के अन्तर को समझने की, साध्य और साधन के भेद को जानने की। तभी जीवन को समृद्ध और सुखी बनाया जा सकता है। धन जीवन का साध्य नहीं है, धन जीवन की आवश्यकता हो सकती है, पर अनिवार्यता नहीं। संत कहते हैं जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक धन का संचय करो, पर उसे आसक्ति का रूप मत लेने दो। धन की आसक्ति मनुष्य को एक ऐसे अंधकूप में ढकेल देती है जिससे निकल पाना बहुत कठिन होता है। अपेक्षा है धन की आवश्यकता और अनिवार्यता के अंतर को समझने की, साध्य और साधन के भेद को जानेंगे तभी जीवन समृद्ध और सुखी होगा यही उत्तम शौच धर्म है।

नोटः-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा, जयपुर में भक्तामर अनुष्ठान हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा, जयपुर में दशलक्षण महापर्व में दिनांक 21 सितंबर 2023 गुरुवार को प्रातः 6.30 बजे मूल नायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान जी के प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्यार्जन जी सी जैन विशल्या जैन बड़जात्या परिवार ने प्राप्त किया। दश लक्षण महा मण्डल पूजा के सोधर्म इन्द्र इंद्राणी पवन कुमार गुणमाला लुहाड़िया रहे तथा महा आरती का पुण्यार्जन प्राप्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि विधानाचार्य पंडित दीपक शास्त्री के मंत्रोच्चार एवं संगीतकार पवन बड़जात्या एवं पार्टी की मधुर आवाज में उत्तम आर्जव धर्म की पूजा भक्ति भाव से श्रद्धालुओं द्वारा की गई। यूनिक किट्टी ग्रुप ने महाआरती कर पुण्यार्जन किया। महाआरती के पश्चात उत्तम आर्जव धर्म पर श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की गरिमा व रीतिका जैन बालिकाओं ने प्रवचन किए। श्री दिगंबर जैन चन्द्रप्रभु महिला मंडल दुर्गापुरा जयपुर की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया एवं मंत्री श्रीमती रानी सोगानी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री भक्तामर जी का 48 दीपक द्वारा रिद्धि मंत्र सहित पाठ - पं दीपक कुमार जैन शास्त्री एवं संगीतकार पवन बड़जात्या की मधुर आवाज में सम्पन्न हुआ। आयोजक श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर एवं श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभु महिला मंडल दुर्गापुरा जयपुर थे।

कीर्ति नगर जैन मंदिर में दस लक्षण पर्व पर हो रहे हैं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रसिद्ध गायिका समता गोदिका द्वारा हुआ भव्य धार्मिक अंताक्षरी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर टोंक रोड पर दस लक्षण पर्व के पावन अवसर पर प्रतिदिन अभिषेक, शांति धारा तथा दस लक्षण मंडल विधान की पूजा साजो के साथ हो रही है। मंदिर कमेटी अध्यक्ष टीकम बिलाला व महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि सायकाल महाआरती के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम भी भव्य रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। सांस्कृतिक मंत्री राजेंद्र पाटनी ने बताया कि इसी क्रम में भव्य धार्मिक अंताक्षरी का आयोजन किया गया। जिसकी प्रस्तुति प्रसिद्ध गायिका श्रीमति समता गोदिका ने भव्य रूप से की। सयोजक महेंद्र गिराधरवाल व मनीष लोंग्या के अनुसार उपस्थित दर्शको में से पांच टीम बनाकर कंप्यूटर व एल ई डी स्क्रीन द्वारा भव्य प्रस्तुति से उपस्थित सभी श्रोता भाव विभोर हो गए। कार्यक्रम सयोजिका श्रीमति रचना बिलाला व श्रीमति मीनू गिरधरवाल ने

बताया कि समारोह के दीप प्रज्वलन कर्ता पदम - नीता , जय कुमार - प्रमिला, विनोद-सुमन, अमन, जेवेश, नेनिका कासलीवाल (साईवाड वाले) थे। निर्णायक राजकुमार जैन दौसा वाले, देवेंद्र जैन मथुरा वाले, विनोद जैन रावका के अनुसार प्रतियोगिता में महावीर टीम विजेता रही तथा वीर टीम उप विजेता रही।

आकाशवाणी जयपुर के राकेश जैन करेंगे हांगझोऊ एशियाई खेलो का कवरेज

जयपुर. शाबाश इंडिया

विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी जयपुर के कार्यक्रम अधिकारी राकेश जैन हांगझोऊ, चीन में आयोजित होने वाले 19 वें एशियाई खेलो के कवरेज के लिए आज चीन के प्रान्त हांगझोऊ के लिए रवाना हो रहे है। 23 सितम्बर से 8 अक्टूबर 2023 तक हांगझोऊ में आयोजित होने वाले एशियाई खेलो पर आकाशवाणी द्वारा नेशनल नेटवर्क पर प्रति घण्टे लाइव अपडेटस और प्रतिदिन खेलो पर आधे घण्टे की रिपोर्ट का प्रसारण किया जाएगा। इससे पूर्व आकाशवाणी जयपुर के राकेश जैन दो बार एशियाई खेलो का कवरेज कर चुके हैं 2006 में दोहा (कतर), 2010 में ग्वांग्झु (चीन) में आयोजित एशियन गेम्स के कवरेज के अलावा 2013 में लन्दन में आयोजित आई सी सी चैम्पियन्स ट्रॉफी में मैनेजर-प्रोड्यूसर के रूप में और 2016 में रियो, (ब्राजील) ओलम्पिक खेलो का कवरेज कर चुके है। विभिन्नं अन्तर्राष्ट्रीय कवरेज के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल गेम्स गौहाटी, रांची, केरल, गुजरात, वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स, मुम्बई और कॉमनवेल्थ गेम्स नई दिल्ली, सैफ गेम्स गौहाटी 2016, खेलो इण्डिया लखनऊ का कवरेज कर चुके है। इसके अलावा राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से जयपुर में आयोजित आई पी एल 2011 में मीडिया मैनेजर और विभिन्न एक दिवसीय मैचो में मीडिया मैनेजर रह चुके है। राकेश जैन नें देश भर में श्रेष्ठतम राजस्व अर्जन करने में सूचना और प्रसारण मंत्री वेंकट नायडू और प्रकाश जावडेकर द्वारा दो बार राष्ट्रीय स्तर पर पुरूस्कृत हो चुके है। इसके अलावा प्रसार भारती द्वारा बेस्ट परफार्मर अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं।